ગુજરાત શૈક્ષણિક સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ, ગાંધીનગરના પત્ર-ક્રમાંક
જીસીઈઆરટી/અભ્યાસક્રમ/2012/958-59/, તા. 25-1-2012 થી–મંજૂર

शिक्षक एवं अभिभावक के लिए
अलग से शिक्षक-आवृत्ति
का निर्माण किया गया है,
उसका अवश्य उपयोग कीजिए ।

हिन्दी

(द्वितीय भाषा)

कक्षा 7

(प्रथम सत्र)

प्रतिज्ञापत्र

भारत मेरा देश है।
सभी भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृद्धि तथा बहुविध परम्परा पर गर्व है।
मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयत्न करता रहूँगा।
मैं अपने माता-पिता, अध्यापकों और सभी बड़ों की इज्जत करूँगा एवं हरएक से नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश और देशवासियों के प्रति एकनिष्ठ रहूँगा।
उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

રાજ્ય સરકારની વિનામૂલ્યે યોજના હેઠળનું પુસ્તક

નિર્માણ
ગુજરાત શૈક્ષણિક
સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ
ગાંધીનગર

મુદ્રણ
ગુજરાત રાજ્ય શાળા
પાઠ્યપુસ્તક મંડળ
ગાંધીનગર

गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गांधीनगर
इस पाठ्यपुस्तक के सर्वाधिकार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के अधीन हैं।
इस पाठ्यपुस्तक का कोई भी अंश किसी भी रूप में गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के निदेशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

निर्माण-संयोजन
डॉ. टी. एस. जोषी
हरेश चौधरी
इकबाल वोरा
चंद्रेश पाल्लीआ

कन्वीनर
प्रकाश सोनी

सह-कन्वीनर
डॉ. जे. बी. जोशी
डॉ. सुमनबहन पंड्या
डॉ. राजेश मुलवाणी

लेखन-संपादन
डॉ. संजय तलसाणिया
रेवाभाई प्रजापति
नुरोद्दीन शाह
रमेश परमार
मीनाबहन कापडी
मंगलभाई गोहिल
गोविंदभाई रोहित
असलमशा फकीर
झनुभाई संगाड़ा
पारुल पंड्या
अश्विन पटेल
सुभाष पटेल
हितेश नायक
दीक्षिता ठक्कर
डॉ. भगवानभाई पटेल
नीलेश वाघेला
घनश्यामसिंह महिडा
रमणभाई परमार
इन्दुबहन कलसलिया
पारुल भावसार

समीक्षा
डॉ. रवीन्द्र अंधारिया
महेशभाई उपाध्याय
केशा तिवारी

चित्रांकन
भरत अग्रावत
जे. बी. पटेल
अंकर सूचक
हितेष पटेल
विजय पटेल

टाइटल डिजाइन
धर्मेश चावडा

मुद्रण-आयोजन
श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक : उत्पादन)

प्रस्तावना

RTE-2009 और NCF-2005 के दस्तावेज को मद्देनज़र रखकर पूरे देश में प्राथमिक शिक्षा की पाठ्यचर्या (Curriculum), पाठ्यक्रम (Syllabus), पाठ्यपुस्तकें और शिक्षा प्रक्रिया में बदलाव का कार्य हो रहा है। यह बदलाव मुख्यत: विषयवस्तु और शिक्षा प्रक्रिया की हमारी समझ के बारे में है। बच्चों में सृजनशीलता, विचारशक्ति, तर्कशक्ति और पृथककरण करने की क्षमता (कौशल) विकसित हो यही नए पाठ्यक्रम के मुख्यत: उद्देश्य है। इन पाठ्यपुस्तको में दी गई गतिविधियाँ (Activities) इस तरह प्रयोजित की गई है कि गतिविधि कर लेने के बाद उस पर चर्चा या चिंतन हो सके, व्यावहारिक उपयोजन हो सके और बच्चें क्या-क्या सीखें यह भी सुनिश्चित कर सके।

बच्चों को बारबार व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से छोटे-बडे समूह में काम करने का और पढ़ने का अवसर प्राप्त हो और अध्ययन प्रक्रिया में मददरूप बन सके ऐसी पाठ्यपुस्तकें रचने की कोशिश की गई है। फिर भी नए पाठ्यक्रम मुताबिक पाठ्यपुस्तक भी एक अध्ययन सामग्री है, लक्ष्य नहीं। पाठ्यपुस्तक एक साधन है, साध्य नहीं। इसलिए सिर्फ पाठ्यपुस्तक पूरी शिक्षा प्रक्रिया का एकमात्र साधन नहीं बन सकता। शिक्षा के ऐसे कई साधनों का प्रयोग करके हमें साध्य तक पहुँचना है। फिर भी हम ऐसा जरूर कह सकते है कि गतिविधिलक्षी शिक्षा का यह रूप शायद पहलीबार प्रयोग में आ रहा है। आशा रखते है कि पाठ्यपुस्तकों के उपयोग के जरिए अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया सरल और रूचिपूर्ण बनेगी।

नई पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की पूरी प्रक्रिया में माननीय अग्र सचिवश्री और प्राथमिक शिक्षण सचिवश्री की ओर से लगातार प्रेरणा और प्रोत्साहन मिल रहा है।

इस पूरी प्रक्रिया में IGNUS-erg की टीम के सदस्यों ने भी लगातार मार्गदर्शन देते हुए स्टेट रिसोर्स ग्रूप के सदस्यों को समृद्ध किया है। नई पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की पूरी प्रक्रिया में UNICEF का सहयोग सराहनीय रहा है। अलग- अलग विषय के कोर ग्रूप के सदस्योंने भी जब जरूरत पडी तब सहयोग दिया है।

एक साल की आज़माईश के बाद पूरे राज्य के लिए तैयार हुई कक्षा 6 से 8 तक की पाठ्यपुस्तको को क्षति रहित बनाने का प्रयत्न किया गया है। फिर भी कोई कमी रह गई हो तो कृपया ध्यान दिलाए। शुभेच्छा के साथ।

डॉ. टी. एस. जोषी
निदेशक
जी.सी.ई.आर.टी.
गांधीनगर

पी. भारती (IAS)
निदेशक
गु.रा.शा.पा.पु.मंडल
गांधीनगर

दिनांक : 04-11-2019

प्रथम संस्करण : 2012, पुन: मुद्रण : 2013, 2013, 2014, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

प्रकाशक : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर की ओर से पी. भारती, नियामक

मुद्रक :

मूलभूत कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह* –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता–पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

*भारत का संविधान : अनुच्छेद 51–क

अनुक्रमणिका

क्रम	इकाई	साहित्य स्वरूप	पृष्ठ क्रम
1.	चित्र के संग-संग (चित्रपाठ)	—	01
2.	तब याद तुम्हारी आती है !	कविता	04
3.	कुत्ते की वफ़ादारी	कहानी	09
4.	कथनी और करनी	निबंध	19
■	पुनरावर्तन 1	—	28
5.	हिन्द देश के निवासी	कविता	29
6.	डॉ. विक्रम साराभाई	जीवनी	34
7.	ढूँढ़ते रह जाओगे	पहेलियाँ	39
8.	दोहा अष्टक	दोहे	43
■	पुनरावर्तन २	—	48
■	कसौटियाँ	—	49

W2V5I8

1 चित्र के संग-संग (चित्रपाठ)

H1D5K3

1. चित्र का अवलोकन करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) पहले चित्र में कौन-कौन सी क्रियाएँ हो रही हैं ?

(2) गुब्बारे हवा में क्यों उड़ रहे हैं ?

(3) ट्यूब में हवा कब और क्यों भरी जाती है?

(4) चित्र में कुत्ता मुँह लटकाकर क्यों लेट गया है?

(5) कुँजड़िन (सब्जी बेचने वाली) कहाँ-कहाँ जा सकती है ?

(6) रिक्शे में एक ही यात्री क्यों बैठा है?

2. चित्र का अवलोकन करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) टायर फटने पर क्या-क्या हुआ ?

(2) टायर के अलावा फटनेवाली चीजों के नाम बताइए।

(3) रिक्शेवाला बाइक से क्यों टकराया?

(4) टायर फटने का प्रभाव किन-किन पर नहीं पड़ा?

(5) मोची क्यों रास्ते पर आ गया ?

3. 'टायर फटा' घटना के सन्दर्भ में आपने चर्चा की। आप भी ऐसी किसी आँखों देखी घटना के बारे में बताइए।

D7F4D4

स्वाध्याय

1. चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) रबर से बनी हुई चीजों के नाम लिखिए।

(2) टायर फटने से पहले क्या हो रहा था ?

(3) टायर क्यों फटा ?

(4) टायर फटने के बाद क्या-क्या हुआ ?

2. निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर उसका सुलेखन कीजिए :

सूर्य अस्त होने से पहले ही वह गुरुजी के घर जा पहुँचा। उसने गुरुजी के चरण छूकर प्रणाम किया। उसके साथियों को जब पता चला कि वह फिर वापस आ गया है, तब वे तरह-तरह की बातें बनाने लगे। गुरुजी उसे देखते ही बोले; ''बेटा वरदराज ! तुम घर नहीं गए क्या ?'' वह नम्रतापूर्वक बोला, ''गया था गुरुजी, पर आधे रास्ते से लौट आया। अब मेरी आँखें खुल गई हैं। मैंने निश्चय किया है कि मैं पूरी लगन और परिश्रम से पढूँगा। आज से आपको कभी कुछ कहने का अवसर नहीं दूँगा।''

3. चित्रों को देखकर दोनों में क्या-क्या अंतर है, ढूँढ़कर बताइए :

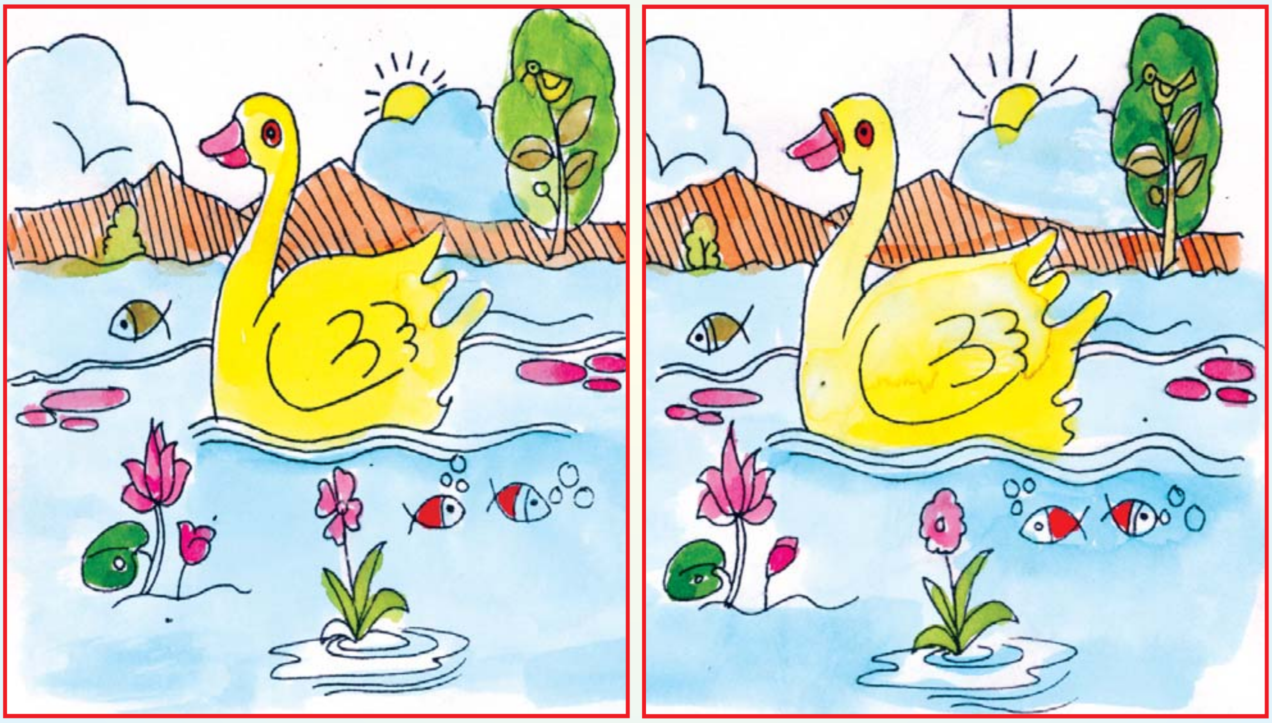

2 तब याद तुम्हारी आती है !

A9U7H1

– रामनरेश त्रिपाठी

रामनरेश त्रिपाठी का जन्म 04-03-1889 को उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के कोइरीपुर गाँव में हुआ था।। वे कवि, उपन्यासकार, नाट्यकार और आलोचक थे। उनकी मुख्य काव्यकृतियाँ–'मिलन', 'पथिक', 'स्वप्न' और 'मानसी' हैं। 'स्वप्न' पर उन्हें हिन्दुस्तान अकादमी का पुरस्कार मिला। उनकी, ''हे प्रभो आनन्ददाता, ज्ञान हमको दीजिए।''– प्रार्थना बहुत प्रसिद्ध है। उनका निधन 16-01-1992 को हुआ।

सुबह का वातावरण खुशनुमा होता है और प्रकृति का कण–कण दर्शनीय होता है। रिमझिम बारिस में सुबह का दृश्य मनमोहक और आकर्षक होता है। प्रस्तुत कविता में इसका सुंदर वर्णन किया गया है।

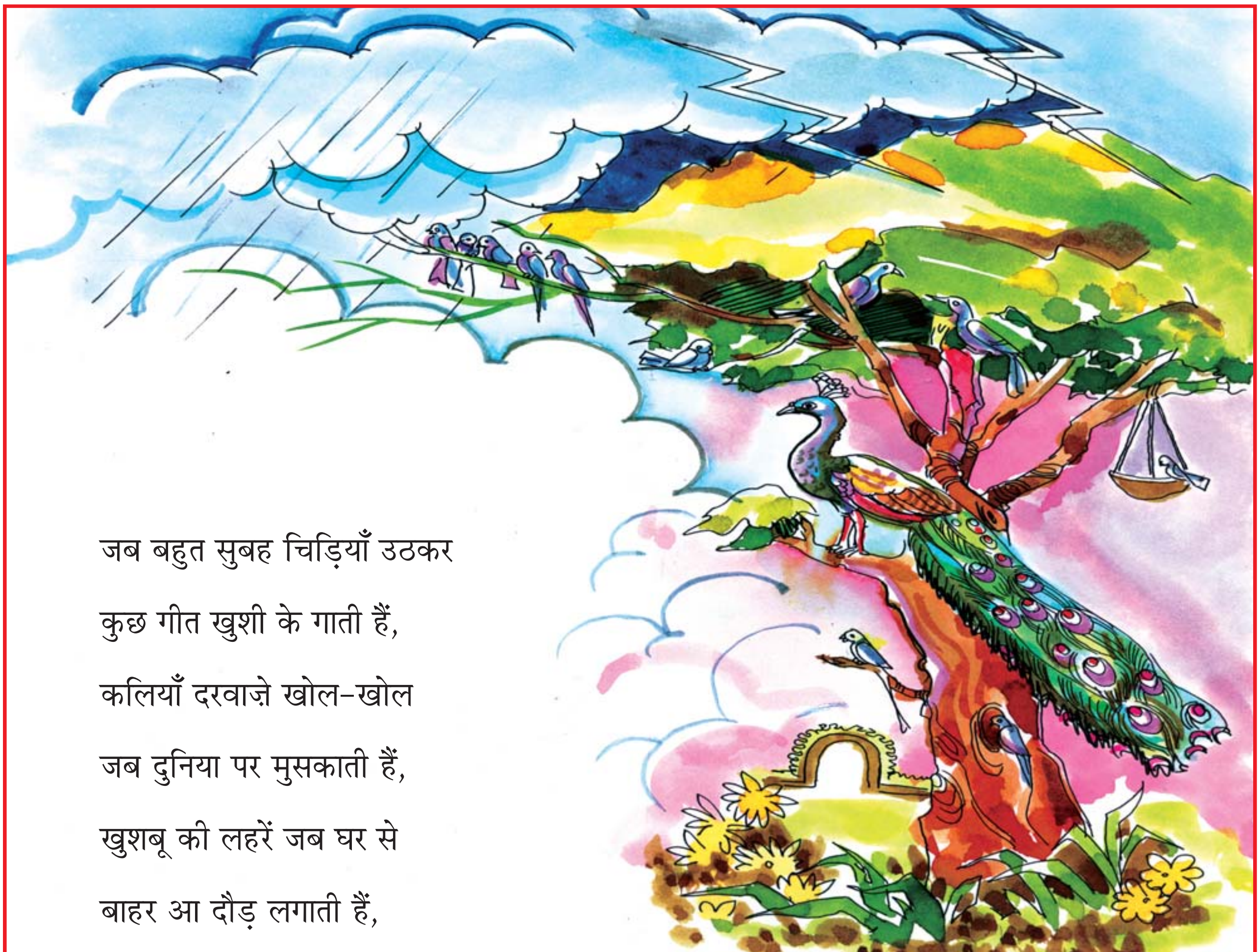

जब बहुत सुबह चिड़ियाँ उठकर
कुछ गीत खुशी के गाती हैं,
कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल
जब दुनिया पर मुसकाती हैं,
खुशबू की लहरें जब घर से
बाहर आ दौड़ लगाती हैं,

हे जग के सिरजनहार प्रभो,
तब याद तुम्हारी आती है।

जब छम-छम बूँदें गिरती हैं,
बिजली चम-चम कर जाती है।
मैदानों में, बन-बागों में
जब हरियाली लहराती है,

जब ठंडी-ठंडी हवा कहीं से
मस्ती ढोकर लाती है,
हे जग के सिरजनहार प्रभो,
तब याद तुम्हारी आती है।

- रामनरेश त्रिपाठी

शब्दार्थ

चिड़िया पंछी, पक्षी **लहर** तरंग, झोंका **सिरजनहार** सृष्टि की रचना (सृजन) करनेवाला, प्रभु **हरियाली** हरा-भरा **ढोना** बोझ उठाना

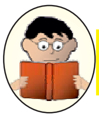

अभ्यास

1. प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) सुबह होते ही क्या-क्या होता है ?

(2) मैदानों में हरियाली कब लहराती है ?

(3) आपको प्रभु की याद कब आती है ?

(4) तुम सुबह में उठकर क्या-क्या देखते हो ?

2. चित्र को देखिए और वचन परिवर्तन कीजिए :

	चिड़िया उड़ रही है।		________________
	कली नहीं खिली है।		
	बूँद गिरती है।	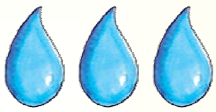	________________
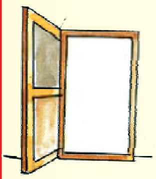	________________	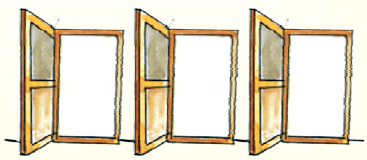	दरवाज़े खुले हैं।
	________________	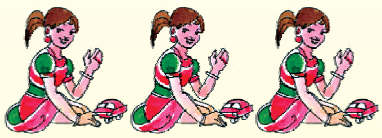	लड़कियाँ खेल रही हैं।

3. शब्दों को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए ः

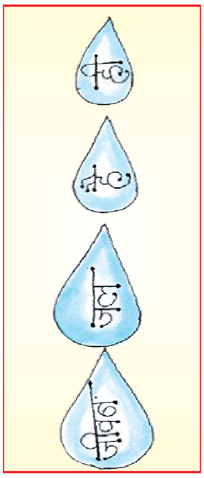

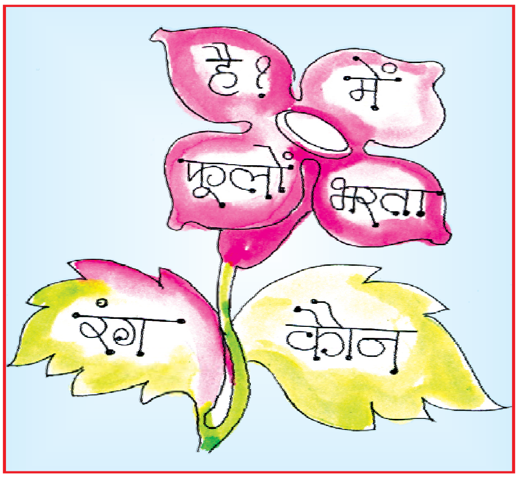

4. सबसे तेज कौन ?

सात-सात छात्रों को टोली बनाइए और अपने नाम के पहले वर्ण के अनुसार शब्दकोश के क्रम के मुताबिक खड़ा रहने को कहिए।

5. नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर तेजी से कौन बता सकता है?

कूक, इरादा, तरुवर, मुग्ध, गुजारिश

R2H5S2

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) चिड़ियाँ खुशी के गीत कब गाती हैं ?

(2) सुबह होने पर प्रकृति में कैसे बदलाव आते हैं ?

(3) पृथ्वी पर हरियाली कब छा जाती है ?

(4) हरियाली कहाँ-कहाँ दिखाई देती है ?

2. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए ः

(1) कलियाँ दरवाजे खोल-खोल
जब दुनिया पर मुसकाती हैं।

(2) जब छम-छम बूँदें गिरती हैं,
बिजली चम-चम कर जाती है।

3. **उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द कोष्ठक में से ढूँढ़कर वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

(1) सुबह (2) खुशी (3) खुशबू (4) बहुत (5) मुसकाना

उदाहरण : सुबह – प्रात:काल

वाक्य : प्रात:काल देवालय में पूजा होती है।

आ	नं	द	हँ	ल
सु	क	स	का	त
गं	ना	त:	व	न
ध	प्रा	श्व	ज्या	दा

4. **इन यात्रियों को शब्दकोश के क्रम के आधार पर अपने अपने डिब्बे में बैठाइए।**

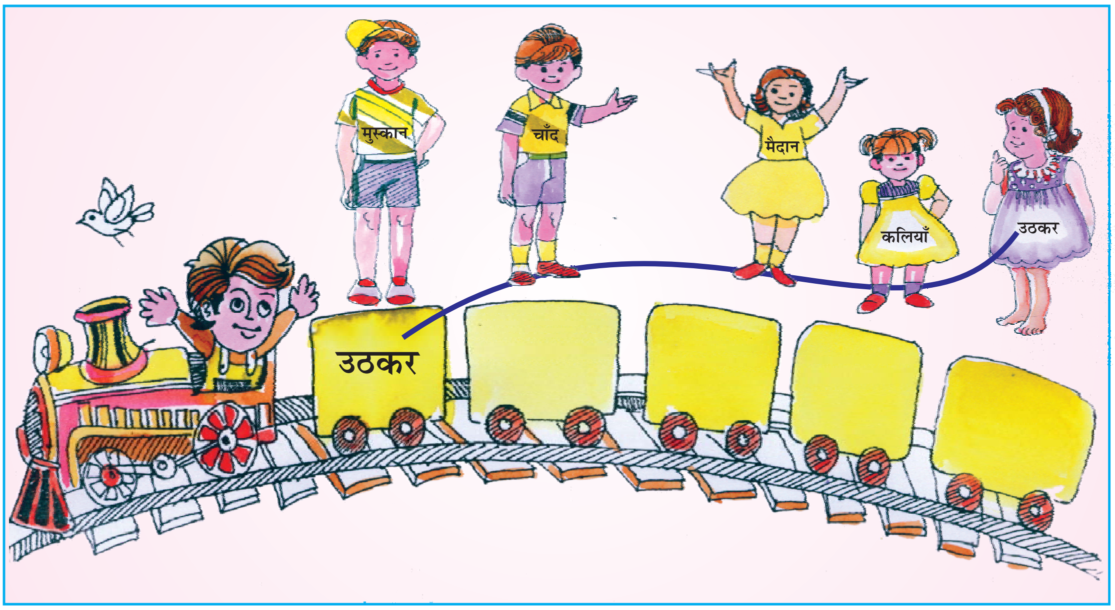

योग्यता-विस्तार

- **इस कविता को कंठस्थ कर प्रार्थना-सभा में इसका गान कीजिए।**
- **पढ़िए :**

चम-चम	खोल-खोल
छम-छम	ठंडी-ठंडी

उपर्युक्त शब्द काव्य में हैं, ऐसे ही अन्य शब्द ढूँढ़िए।

H3G7Y9

3 कुत्ते की वफ़ादारी

- लल्लुभाई रबारी

प्रस्तुत कहानी में लेखक ने अपने स्वामी के प्रति जानवर की वफ़ादारी को उजागर किया है। कभी-कभी जल्दबाजी में काम करने से पछताने की नौबत आ जाती है। लेखक ने यह बात कुत्ते और बनजारे की इस कहानी के माध्यम से बताई है।

उत्तर गुजरात के पाटण जिले में राधनपुर नाम का एक छोटा-सा नगर है। वहाँ एक तालाब है, जिसके तट पर एक कुत्ते की समाधि है। समाधि और वह भी कुत्ते की ! यह जानकर आश्चर्य होगा ही। उसके पीछे एक सुंदर और हृदय को हिला देनेवाली कथा है।

पुराने जमाने में व्यापार का सामान लाने-ले जाने का काम बनजारे करते थे। एक बनजारा था। वह अपने ऊँटों पर गाँवों का माल सामान लादकर शहरों में ले जाता था और वहाँ से मिसरी, गुड़-मसाले आदि भरकर गाँवों तक ले आता था। लाखों का व्यापार था उसका। इसीलिए लोग उसे लाखा बनजारा कहते थे। लाखा के पास एक सुंदर कुत्ता था। कुत्ता बड़ा वफादार था। रात को वह बनजारे के पड़ाव की रखवाली करता था, अगर चोर-लुटेरे पड़ाव की तरफ आते दिखाई देते थे तो कुत्ता भौंक-भौंक कर उन्हें दूर भगा देता था। बनजारा अपने कुत्ते की वफादारी से बहुत खुश था।

एक बार बनजारा व्यापार में मार खा गया और रुपयों की जरूरत आ पड़ी। वह राधनपुर के एक सेठ के पास पहुँचा। उसने अपनी बात बताई।

सेठ ने कहा, ''रुपये तो मैं दे दूँगा, मगर उसके बदले में तुम क्या गिरवी रखोगे ?''

लाखा बोला, ''सेठजी मेरे पास फूटी कौड़ी भी नहीं है। मैंने व्यापार में सब कुछ खो दिया है। मेरी जबान पर विश्वास रखें और मुझे रुपये दे दीजिए। मैं आपकी पूरी रकम सूद समेत एक साल में ही चुका दूँगा।''

सेठ बोले; ''कोई बात नहीं। तुम्हारे पास यह कुत्ता है। तो तुम इसे ही जमानत के रूप में दे दो। जब तुम सारे रुपये लौटा दोगे, तब मैं भी कुत्ता तुम्हें वापस दे दूँगा।''

बनजारे को दुःख तो बहुत हुआ अपने कुत्ते को देने में, मगर कोई चारा नहीं था। रुपये लेकर वह चला गया।

कुछ दिन बीते। एक बार सेठ के यहाँ चोरी हुई। कुत्ते ने चोरों का पीछा किया। दूर जंगल में जाकर चोरों ने सारा माल-सामान जमीन में गाड़ दिया और वहाँ से नौ-दो-ग्यारह हो गए। कुत्ता वहाँ भौंक-भौंककर सेठ को

बताने लगा कि लुटेरे आपकी दुकान को तोड़कर माल उठा ले गए हैं। सेठ तो हक्का-बक्का ही रह गए। कुत्ता सेठ की धोती पकड़कर आगे खींचने लगा। सेठ कुत्ते के पीछे-पीछे चलने लगे। जहाँ चोरों ने माल छिपाया था, वहाँ जाकर कुत्ता अपने पैरों से मिट्टी खोदने लगा। थोड़ा ही खोदने पर सब सामान निकल आया। सेठ की खुशी का कोई पार नहीं था। वह कुत्ते को प्रेम से थपथपाने लगा। कुत्ते की वफादारी पर वह मुग्ध हो गया। घर जाकर उसने एक चिट्ठी लिखकर कुत्ते के गले के पट्टे में बाँधकर कहा, ''कुत्ते भाई - जाओ तुम अपने मालिक लाखा बनजारा के पास,तुम मुक्त हो।'' कुत्ता खुश हो गया और अपने मालिक से मिलने के लिए जल्दी-जल्दी भागने लगा।

इधर लाखा ने भी व्यापार में खूब रुपया कमाया। वह सेठ को उसकी रकम वापस करने के लिए उसी रास्ते से आ रहा था। उसने दूर से अपने कुत्ते को अपनी ओर आते हुए देखा। वह नाराज़ हो गया। सोचने लगा कि कुत्ते ने मेरी जबान काट ली है। उसने बेवफाई की है। अब मैं सेठ को क्या मुँह दिखाऊँगा? उसने आव देखा न ताव; बस, कुत्ते के माथे पर लाठी का प्रहार कर दिया। कुत्ता बेहोश होकर गिर पड़ा। लाखा ने देखा कि कुत्ते के गले में एक चिट्ठी बँधी है। उसने इसे खोलकर पढ़ा; 'लाखा, तुम्हारे कुत्ते ने मुझे सूद समेत रुपये लौटा दिए हैं; अतः कुत्ते को मैं मुक्त करता हूँ। उसने मेरे घर चोरी किए गए माल-सामान को वापस दिलवा दिया है। खुश होकर मैंने स्वयं इसे मुक्त किया है।'

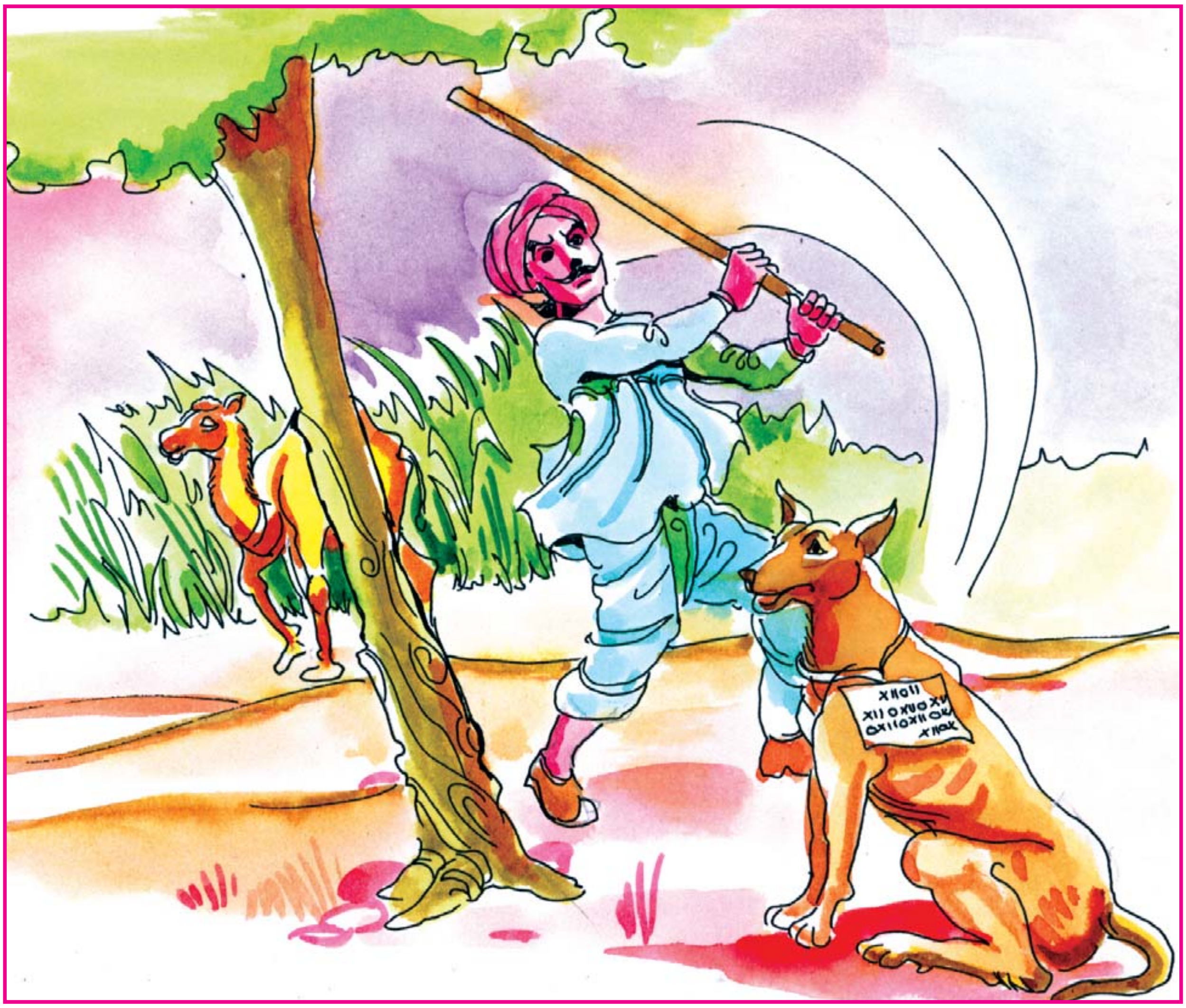

लाखा तो चकित हो गया। वह चिल्लाने लगा – ''हाय, यह मैंने क्या कर दिया? हाय, यह मैंने क्या कर दिया?'' वह कुत्ते के शव को अपनी गोदी में लेकर फूट-फूटकर रोने लगा, लेकिन अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेत।

उसने उस वफ़ादार कुत्ते की समाधि बनवाई जो आज भी पाटण जिले के राधनपुर के तालाब के किनारे पर खड़ी है। और उस कुत्ते की वफ़ादारी की कथा संसार को सुना रही है।

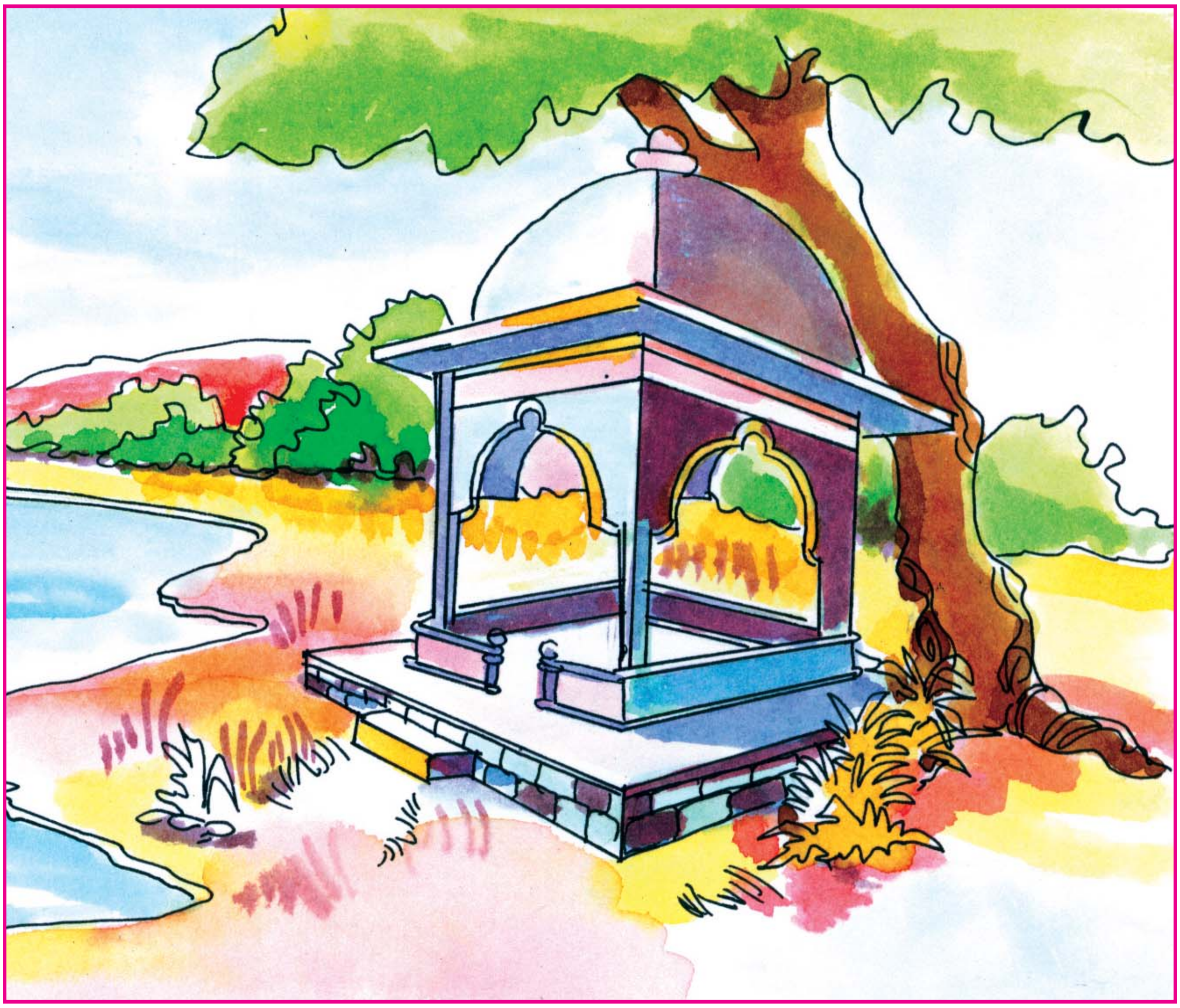

शब्दार्थ

समाधि स्मारक **वफ़ादार** स्वामिभक्त **बनजारा** एक विचरती जाति **पड़ाव** यात्रा में कुछ समय का ठहराव **लादना** किसी के ऊपर बहुत-सी वस्तुएँ रखना **लुटेरा** लूटने वाला, डाकू **मिसरी** चीनी, शक्कर **लौटना** वापस आना **मुग्ध** आसक्त, मोहित **सूद** ब्याज **शव** मृतदेह **गोद** आँचल, खोळो (गुज.)

मुहावरे

- **हृदय हिला देना** – हृदय को द्रवित करना
- **नौ-दो ग्यारह होना** – भाग जाना
- **मार खा जाना** – नुकसान होना
- **हक्का-बक्का रह जाना** – चकित होना
- **फूटी कौड़ी न होना** – अत्यंत गरीब होना
- **आव देखा न ताव** – बिना सोचे समझे काम करना
- **कोई चारा न होना** – कोई उपाय न होना, रास्ता न होना
- **फूट-फूट कर रोना** – जोर-जोर से रोना

कहावत

अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत – समय निकल जाने पर पछताने से क्या फायदा।

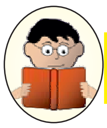

अभ्यास

1. नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग कहानी के जिस वाक्य में हुआ हो वह वाक्य पढ़िए :

(1) समाधि (2) बनजारा (3) वफ़ादार (4) शव

(5) लुटेरा (6) जमानत (7) सूद (8) गोद

2. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) समाधि क्यों बनाई जाती है ?

(2) आप इस कहानी को और कौन-कौन से शीर्षक देना चाहेंगे ?

(3) कुत्ते को वफ़ादार प्राणी क्यों कहा गया है ?

(4) बनजारे ने कुत्ते को आते देख कुछ सोचा होता तो क्या होता ?

(5) सेठ ने कुत्ते को क्यों मुक्त कर दिया ?

3. शब्दों को शब्दकोश के क्रम में रखिए :

सुंदर, वापस, वफ़ादार, इसीलिए, आश्चर्य, लुटेरा

4. 'यदि आप होते तो क्या करते ?' बताइए :

(1) कुत्ते को जमानत पर रखकर सेठ ने पैसे दिए, सेठ की जगह आप होते तो.....

(2) लाखा ने कुत्ते को बेवफा समझ कर लाठी का प्रहार किया, लाखा की जगह आप होते तो.....

5. पढ़िए, हँसिए और सही शब्द लिखिए :

राजा / राजी	ग्वाला / ग्वालि	अभिनेता / अभिनेती	रानी / राना	शेरनी / शेरा
रानी	________	________	________	________
सुनार / सोनारा	ऊँट / ऊँटी	लुटेरा / लुटेर	बनजारा / बनजारी	सेठ / सेठी
________	________	________	________	________

S6U1X3

स्वाध्याय

1. ढाँचे पर से कहानी लिखिए :

एक नौकर द्वारा हार चोरी करना – सेठ का सभी नौकरों से पूछना – किसी का चोरी कबूल न करना – सेठ द्वारा युक्ति करना – प्रत्येक को सात-सात इच की लकड़ी देना – जादू की छड़ी होने की बात कहना – दूसरे दिन दिखाने को कहना – चोर की लकड़ी एक इच बढ़ जाएगी – घर जाकर हार चुराने वाले नौकर का एक ईच लकड़ी काटना – दूसरे दिन चोर का पकड़ा जाना ।

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) रात को कुत्ता पड़ाव की रखवाली कैसे करता था ?

(2) सेठ ने बनजारे के साथ कौन-सी शर्त रखी ?

(3) सेठ ने कुत्ते को क्यों मुक्त कर दिया ?

(4) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

3. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द का लिंग परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :

जैसे : घोड़ा **दौड़ रहा है।**

घोड़ी दौड़ रही है।

(1) सेठ ने कहा, रुपये तो मैं दे दूँगा।

(2) बनजारे को बहुत दु:ख हुआ।

(3) ऊँट की पीठ पर सामान लदा है।

(4) मैदान में लड़का खेल रहा है।

4. बक्से में से लिंग आधारित शब्दों के जोड़े मिलाइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

शिष्य, नागिन, शिक्षक, घोड़ा, गाय,

देव, बैल, शिष्या, घोड़ी, शिक्षिका, देवी, नाग

जैसे :

गाय —— बैल   [ ] —— [ ]

वाक्य प्रयोग → गाय का दूध सेहत के लिए अच्छा है।

वाक्य प्रयोग → बैल किसान का दोस्त है।

5. संज्ञा पहचानिए :

- सैनिक हमारे देश की रक्षा करते है।
- हमें देश की प्रगति के बारे में सोचना चाहिए।
- गंगा भारत की पवित्र नदी है।

नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए। रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए :

(1) आशा विमान चलाती है।

(2) नर्मदा गुजरात की सबसे बड़ी नदी है।

(3) हिमालय भारत का सबसे ऊँचा पर्वत है।

(4) नीम गुणकारी पेड़ है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द आशा, नर्मदा, हिमालय और नीम किसी खास व्यक्ति, नदी, पर्वत और पेड़ का निर्देश करते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा : किसी खास व्यक्ति, प्राणी या स्थान को सूचित करनेवाली संज्ञा को **'व्यक्तिवाचक संज्ञा'** कहते हैं।

1. निर्देशित शब्दों में से व्यक्तिवाचक संज्ञा के ऊपर (✓) की निशानी कीजिए :

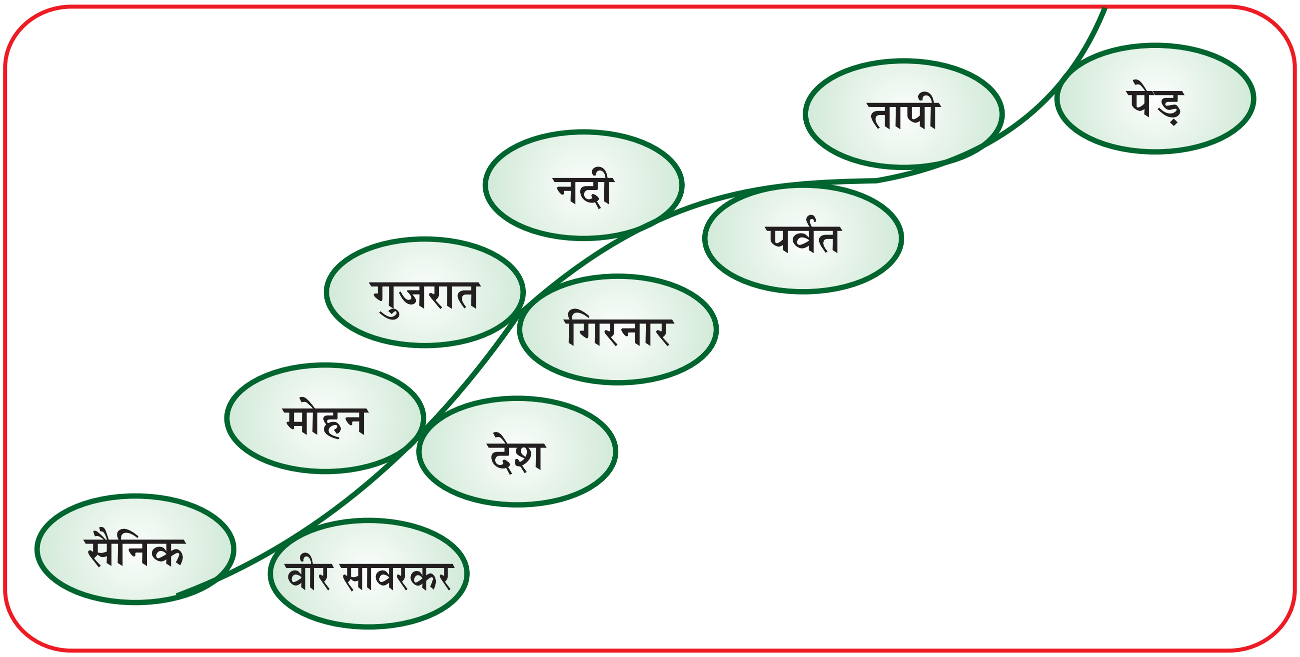

नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए। रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए :

(1) हमारे देश के सैनिक बहादुर हैं।

(2) हमारी गाय का नाम गौरी है।

(3) नदी को लोकमाता कहते हैं।

(4) कुत्ता वफ़ादार प्राणी है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द सैनिक, गाय, नदी और कुत्ता–ये शब्द संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं।

जातिवाचक संज्ञा : जो शब्द संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं वे **'जातिवाचक संज्ञा'** कहलाते हैं।

2. जातिवाचक शब्द छाँटकर सूची बनाइए :

छात्र

प्रगति सुंदर लड़का

सुभाषचंद्र पेड़ पर्वत

नदी नीम

गाय

3. नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों को कोष्ठक में उचित स्थान पर रखिए :

(भारत, हिमालय, नदी, वीर सावरकर, सैनिक, नर्मदा, पर्वत, नीम का पेड़)

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा

योग्यता-विस्तार

इतना जानिए

कैसे बोलते हैं ?

- पंछी का चहकना
- मुर्गे का बांग देना
- मक्खी का भिनभिनाना
- कुत्ते का भौंकना
- भेड़ का मिमियाना
- घोड़े का हिनहिनाना
- भैंस का बँबाना
- बिल्ली का म्याउँ-म्याउँ करना
- हाथी का चिँघाड़ना
- मेढक का टर्राना
- शेर का दहाड़ना
- कौए का काँव-काँव करना
- मोर का टहुकना
- भौंरे का गुंजन
- गधे का रेंकना
- गाय का रंभाना
- ऊँट का बलबलाना
- बकरी का मिमियाना
- चूहे का चूँ-चूँ करना
- साँप का फुफकारना
- बंदर का घुरकियाँ करना
- बाघ का गुर्राना

☞ **पुस्तकालय में जाइए और पढ़िए :**

पशु-पक्षी आधारित कहानियाँ

- पंचतंत्र की कहानियाँ
- ईसप की बोधकथाएँ
- गिजुभाई की बाल-कहानियाँ
- हितोपदेश की कहानियाँ

Y3K5Z5

4 कथनी और करनी

मानव जीवन प्रभु की अनमोल देन है। सभी प्राणियों में मनुष्य को प्रभु ने विशिष्ट शक्तियाँ प्रदान की हैं, इसलिए वह संसार में बहुत ही अच्छे ढंग से जीवनयापन करता है। मगर सभी लोग हर समय सही काम नहीं करते हैं। कई बार मनुष्य कहता कुछ है और करता कुछ है। कई मनुष्यों की कथनी और करनी में अंतर देखने को मिलता है, इस बात को प्रस्तुत निबंध में उजागर किया है।

ईश्वर ने मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाया है। कई गुणों से उसे सँवारा है। इसका उसे अभिमान भी होता है। परन्तु स्वयं को गुणों की खान समझने वाला व्यक्ति कई बार ऐसे कार्य करता है, जिन्हें वह गलत बताता है। कथनी और करनी में अन्तर के ऐसे कई उदाहरण रोज देखने में आते हैं।

बस्ती के बीच सरकार ने पार्क बनाने की जगह छोड़ रखी थी। बरसात के मौसम में मुहल्ले के एक सज्जन को उसमें फूलों के पौधे लगाने की सूझी। बात अच्छी थी। वे कहीं से पौधे लाए। कतार से उन्हें रोपा। देखभाल की। पौधे बड़े हो गए। कुछ दिनों बाद फूल खिलने लगे। पार्क अच्छा लगने लगा। मुहल्ले के लोग सुबह-शाम पार्क में टहलने लगे।

फूल सबको अच्छे लगते हैं। पार्क में लोगों के आने-जाने से उन्हें यह लगा कि लोग इन फूलों को तोड़ कर ले जाएँगे। उन्होनें एक तख्ती के ऊपर यह लिखकर टांग दिया कि, ''फूल तोड़ना मना है।''

आते-जाते सब उसको पढ़ते, कोई भी फूलों को नहीं तोड़ता। पर मजे की बात तब सामने आई जब लोगों ने तख्ती लगाने वाले सज्जन को बड़े सबेरे जल्दी-जल्दी फूल तोड़ते देखा। वे अपनी शर्म मिटाने के लिए बोले, ''पूजा के लिए तोड़ रहा हूँ।''

बसों में लिखा होता है, ''धूम्रपान करना निषेध है।'' एक बार यात्रा करते हुए देखा कि एक यात्री ने बीड़ी जलाई और पीने लगा। उसे देखकर कंडक्टर ने कहा, ''भाई साहब, बस में बीड़ी-सिगरेट पीना मना है।'' उसने जलती बीड़ी खिड़की से बाहर फेंकवा दी।

थोड़ी देर बाद कंडक्टर ड्राइवर के केबिन में जाकर बैठा, सिगरेट जलाई और दोनों पीने गले। एक दूसरे यात्री ने यह देखा तो लिखे हुए वाक्य की तरफ इशारा करते हुए कंडक्टर से कहने लगे, ''भाई साहब, बस में सिगरेट पीना मना है।''
''इस पर कंडक्टर शीघ्र बोल उठा, यह वाक्य आपके लिए है, न कि हमारे लिए।''

एक व्यक्ति दुकान पर गया। स्कूटर दुकान के सामने खड़ा कर ही रहा था कि दुकानदार बोला, ''आप अपना स्कूटर वहाँ सामने वाहन रखने के स्थान पर खड़ा करके आएँ।'' सज्जन ने कहा, ''मुझे ज्यादा समय तक थोड़े ही रुकना है, मैं तो सामान लेकर अभी चला जाऊँगा।'' दुकानदार बोला, ''पर दुकान के सामने बीच सड़क पर स्कूटर खड़ा रखना कोई ठीक बात नहीं।''

सज्जन ने स्कूटर वाहन खड़ा करने के स्थान पर ले जाकर खड़ा किया और वापस आकर सामान खरीदने लगे। इतने में स्कूटर लेकर दुकान पर एक लड़का आया स्कूटर दुकान के सामने खड़ा करके वह दुकान के अन्दर चला गया। इस पर उस सज्जन ने दुकानदार से कहा, ''आपने इसे मना नहीं किया।'' वह बोला, ''यह तो मेरा बेटा है।''

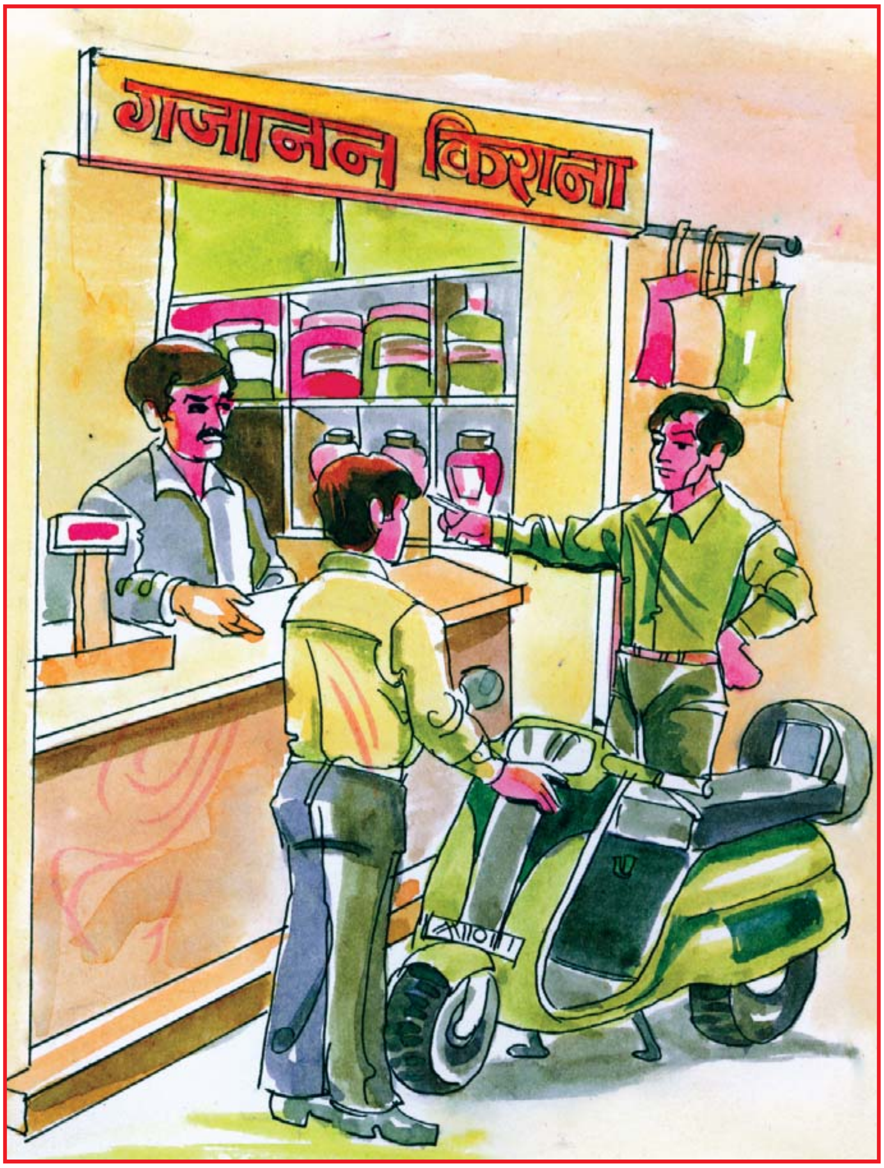

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आदर्श की बातें करते हैं लेकिन जब उन्हें अपनाना पड़े तो वे आदर्श भूल जाते हैं।

एक दिन एक सज्जन के घर उनके मित्र मिलने आए। दोनों मित्र बातचीत में मग्न थे कि किसी ने दरवाजा खटखटाया। उन्होंने खिड़की से झाँककर देखा, बाहर मकान मालिक खड़ा था, जो पिछले चार माह का किराया माँगने बार-बार आ रहा था। उन्होंने अपने बच्चे को समझाकर बाहर भेजा।

जब बच्चा बाहर गया तो मकान मालिक ने उससे कहा, ''तुम्हारे पिताजी से कहो कि मैं मकान का किराया लेने आया हूँ।'' बच्चे ने तपाक से जवाब दिया, ''पिताजी ने कहा है कि वे घर पर नहीं हैं।'' बच्चे की बात सुनकर मकान मालिक हँसने लगा। घर में बैठे मित्र के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई। जिसे देखकर वे सज्जन पानी-पानी हो गए।

एक सज्जन ने अपने पोते को यह सिखाया था कि हमें कभी किसी काम को गलत ढंग से नहीं करना चाहिए। सदा अपनी बारी की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

एक दिन की बात है, वे जल-बिजली के बिल जमा कराने गए। साथ में उनका आठ वर्षीय पोता भी था।

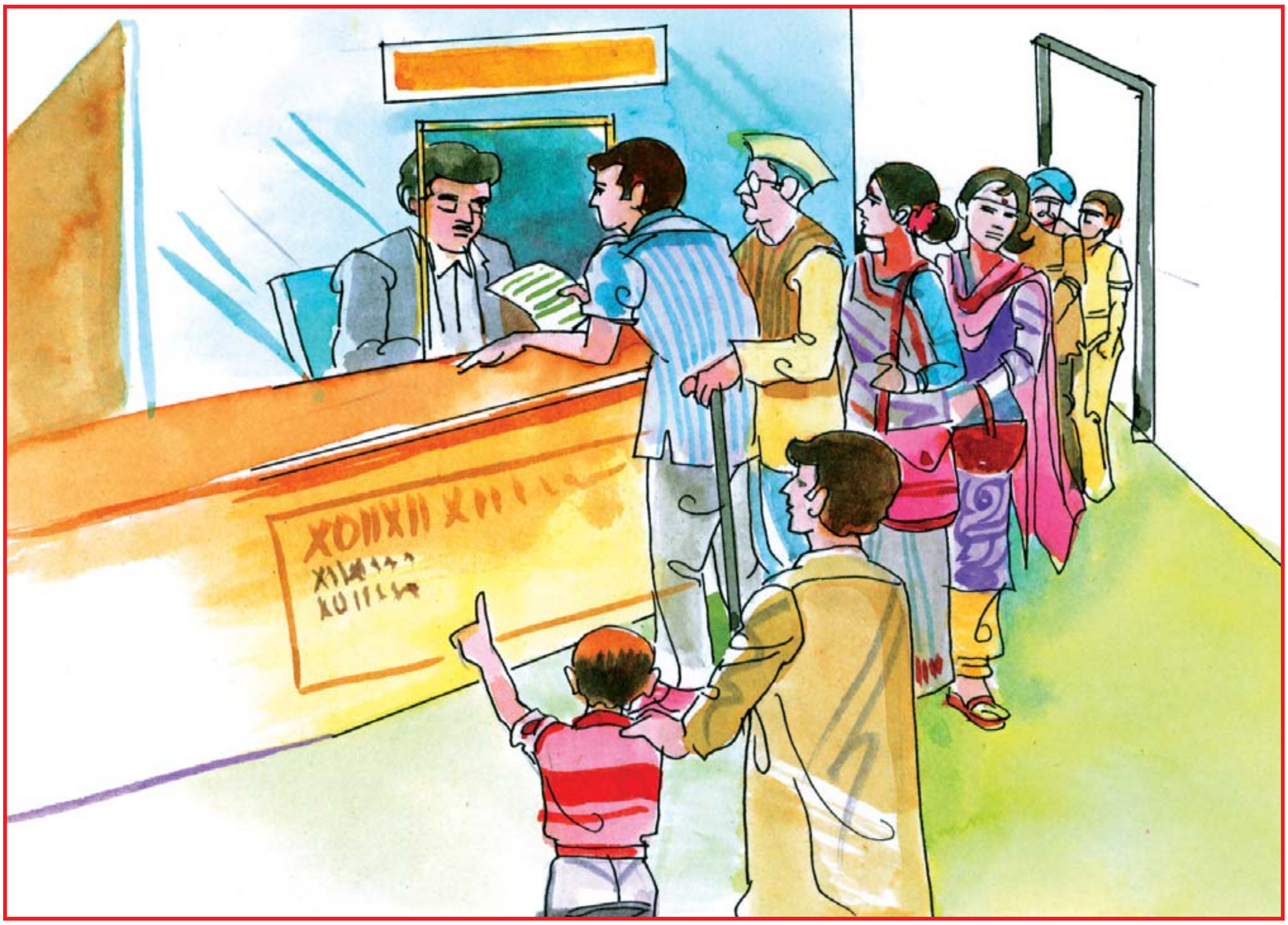

बिल जमा करानेवालों की लम्बी कतार देखकर वे कोई उपाय सोचने लगे। उन्होंने खड़े हुए लोगों को ध्यान से देखा। आगे ही एक परिचित व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया। वे तुरन्त उसके पास गए और बोले, ''बेटा ये बिल तुम घर पर ही भूल आए ! लो इसको भी जमा करा दो।'' वह व्यक्ति कुछ बोले, उससे पहले ही बिल व राशि उसके हाथ में थमा दी और एक तरफ जाकर खड़े हो गए। पोता बार-बार कहने लगा, ''दादाजी लाइन में लगिए न।'' उसकी बात सुनकर लोग हँसने लगे।

कई लोग ऐसे होते हैं, जो आदर्श की बातें तो करते हैं, पर उन्हे अपनाते नहीं। इस प्रकार का आचरण अच्छा नहीं होता। ऐसा आचरण करनेवालों को कभी सम्मान नहीं मिलता। वे हँसी के पात्र बनते हैं। इसलिए हमें कथनी और करनी में सदैव समानता रखनी चाहिए।

हो कथनी-करनी एक समान
जग में मिलता तब सम्मान।

शब्दार्थ

संवारा सजाया **अन्तर** भेद, फर्क **पार्क** बाग, बगीचा **कतार** पंक्ति **वर्जित** निषेध, मनाही **कंडक्टर** परिचालक **शीघ्र** जल्दी **तपाक से** जोश के साथ जल्दी से **पोता** पुत्र का पुत्र **प्रतीक्षा** इंतज़ार **राशि** रकम **आचरण** व्यवहार **सदैव** सदा के लिए

मुहावरे

गुणों की खान बहुत गुणी, **पानी-पानी हो जाना** बहुत लज्जित होना

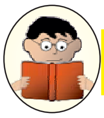

अभ्यास

1. सोचकर बताइए :

(1) ईश्वर ने मनुष्य को अन्य प्राणियों से किस प्रकार श्रेष्ठ बनाया है ?

(2) ''धूम्रपान वर्जित है।'' कहाँ-कहाँ और क्यों लिखा होता है ?

(3) फूल सब को अच्छे क्यों लगते हैं ?

(4) लोग कहाँ–कहाँ कतार में खड़े रहते हैं ?

2. (अ) विरामचिह्न और उनके नाम की जोड़ बनाइए :

(1)	?		(1)	उद्‌गार चिह्न / विस्मय चिह्न
(2)	।		(2)	अवतरण चिह्न
(3)	!		(3)	योजक चिह्न
(4)	,		(4)	प्रश्नसूचक चिह्न
(5)	'' ''		(5)	पूर्णविराम
(6)	-		(6)	अल्पविराम

(ब) वाक्यों को पढ़कर उचित विरामचिह्न का प्रयोग कीजिए :

(1) फूल तोड़ना मना है

(2) वाह कितना सुन्दर दृश्य है

(3) बसों में लिखा होता है धूम्रपान वर्जित है

(4) धारा रात दिन पढ़ती रहती है

(5) पौधे बारिश में ही क्यों लगाए जाते हैं

3. निम्नलिखित वाक्यों में से जातिवाचक संज्ञा के आसपास ◯ चिह्न कीजिए :

(1) मनुष्य अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ है।

(2) शिल्पा ने चार पौधे लगाए।

(3) शहर के लोग सुबह शाम टहलने जाते हैं।

(4) फूल सबको अच्छे लगते हैं।

4. कथनी और करनी में समानता रखने में मुश्किलें आती हैं या नहीं ? चर्चा कीजिए।

5. परिच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आप शुद्ध हृदय से इस बात पर विचार करें कि माता, मातृभूमि और मातृभाषा का आप पर भी ऋण है। एक जननी आपको जन्म देती है, एक की गोद में खेल-कूदकर और खा-पीकर आप पुष्ट होते हैं और एक आपको अपने भावों को प्रकट करने की शक्ति देकर आपके सांसारिक जीवन को सुखमय बनाती है, जिसका आप पर इतना उपकार है, उसके लिए कुछ करना क्या आपका परम कर्तव्य नहीं है?

प्यारे भाइयों, उठो ! आलस्य छोड़ो, काम करो और अपनी मातृभाषा की सेवा में तत्पर हो जाओ, इस व्रत का पालन करना तलवार की धार पर चलने के समान है।

अत्यंत खेद का विषय है कि आज अधिकांश भारतवासी अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करते हैं। वे अंग्रेजी बोलकर अपने अहंकार तथा दूषित मनोवृत्ति का परिचय देते हैं। जो अपनी मातृभाषा का तिरस्कार करता है, उसे कभी देशभक्त नहीं कहा जा सकता।

प्रश्न:

(1) हम पर किस-किस का ऋण है ?

(2) माता का ऋण हमें क्यों अदा करना चाहिए ?

(3) किस व्रत का पालन करना अत्यंत कठिन है ?

(4) किसे देशभक्त नहीं कहा जा सकता ?

(5) गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

S8X4B9

स्वाध्याय

1. अंदाज अपना-अपना

''कथनी और करनी में अन्तर'' विषय पर अपने विचार लिखिए।

2. ''कथनी और करनी में अन्तर'' विषय पर आपके दोस्त ने जो विचार लिखे हैं, उन्हें पढ़िए।

3. करके दिखाइए :

कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित क्रम में रखकर उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए :

मैं	कथनी	ज़ाता	रखनी	वे	समानता
सबको	करनी	फूल	हूँ।	में	कहीं
तोड़ना	हर रोज	अच्छे	खेलने	मना	से
चाहिए	पौधे	पढ़ना	लगते	लाए	है।

उदाहरण : **फूल तोड़ना मना है।**

भाषा-सज्जता

- **पढ़कर समझिए :**

रामजीभाई ने भैंस खरीदकर दूध, घी बेचा और उसके गोबर की खाद से खेतों की उपज भी बढ़ाई। यह तो 'आम के आम और गुठलियों के दाम' वाली बात हुई।

यहाँ रामजीभाई भैंस के दूध को बेचकर पैसे कमाते हैं। भैंस के गोबर की खाद बनाकर उसका भी उपयोग कर लेते हैं। इस प्रकार दूध और खाद दोनों का उपयोग करके मुनाफा कमा लेते हैं। जैसे कि आम खाकर उसकी गुठलियों का भी उपयोग किया जाए। दोनों प्रकार से लाभ होने पर यह लोकोक्ति कही गई है।

लोगों के अनुभव पर आधारित और बाद में समाज में रूढ़ हो गई हो, ऐसी बात या उक्ति को '**कहावत**' कहते हैं।

- **पढ़कर समझिए –**

(1) **आम के आम गुठलियों के दाम** – दोहरा लाभ होना।

(2) **जैसी करनी वैसी भरनी** – कर्मों के अनुसार फल मिलना।

(3) **साँच को आँच नहीं** – सच्चे व्यक्ति को कोई भय नहीं होता।

(4) **काला अक्षर भैंस बराबर** – बिलकुल अनपढ़ होना।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए :**

(1) हमें अहिंसा के पथ पर चलना चाहिए।

(2) पहाड़ की चढ़ाई बहुत कठिन होती है।

(3) हमारे व्यवहार में विनम्रता होनी चाहिए।

(4) महात्मा बुद्ध ने शान्ति, दया और प्रेम का संदेश दिया।

(5) क्षमा वीरों का आभूषण है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द : अहिंसा, चढ़ाई, विनम्रता, शान्ति, दया, प्रेम, क्षमा – गुण, दोष, भाव, दशा आदि का बोध कराते हैं।

भाववाचक संज्ञा : जो शब्द गुण, दोष, भाव, दशा आदि का बोध कराते हैं वे '**भाववाचक संज्ञा**' कहलाते हैं।

★ **निम्नलिखित शब्दों में से भाववाचक संज्ञा के चौकोर पर सही ✔ निशान कीजिए :**

सच्चाई	सच्चा	ऊँचाई	ऊँचा	बचपन
लंबाई	अमीरी	लड़ना	बुढ़ापा	गंगा

➔ **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए। रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए :**

(1) रेलवे स्टेशन पर लोगों की <u>भीड़</u> रहती है।

(2) बच्चों की <u>टोली</u> होली खेलने निकली है।

(3) <u>सभा</u> में कई लोग इकट्ठे हुए।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द : भीड़, टोली और सभा– '**समूहवाचक संज्ञा**' कहलाते हैं।

योग्यता-विस्तार

यह भी कीजिए :

- विभिन्न स्थानों पर लिखी हुई सूचनाओं को पढ़िए और कक्षा में उसकी चर्चा कीजिए।
- गिजुभाई बधेका और पंचतंत्र की कोई तीन कहानियाँ पढ़कर उनका सारांश भीतिपत्र (बुलेटिन बोर्ड) पर रखिए।

पुनरावर्तन 1

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) चिड़ियाँ कब खुशी के गीत गाती हैं ?

(2) सेठ ने कुत्ते को क्यों मुक्त किया ?

(3) ईश्वर ने मनुष्य को किससे श्रेष्ठ बनाया ?

(4) सेठ ने बनजारे के साथ कौन-सी शर्त रखी ?

(5) पृथ्वी पर हरियाली कब छा जाती है ?

2. निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और सुलेखन कीजिए :

हमारे देश का झंडा तिरंगा है - ऊपर केसरिया रंग, बीच में सफेद रंग और नीचे हरा रंग। सफेद पट्टे पर बीच में एक चक्र है। इस चक्र को अशोक चक्र कहते हैं। झंडे के ऊपर का केसरिया रंग वीरता और बलिदान का संदेश देता है। बीच का सफेद रंग और अशोक चक्र शांति और उन्नति की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। नीचे का हरा रंग विकास करते हुए समृद्धि प्राप्त करने का सूचक है।

3. 'टी. वी. देखने से लाभ - हानि' विषय पर चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के क्रम में लिखिए :

चिंता, अपूर्व, कार्य, पर्यटन, विद्यार्थी, प्रसाद, झूठ, ज्ञान, हल्दी।

5. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के सही क्रम में लिखिए :

चारण, चौकोर, चिराग, चम्मच, चंद्रिका

L9B9Q3

5 हिन्द देश के निवासी

विविधता में एकता हमारे देश की विशेषता है। साथ ही विकास और शक्ति की परिचायक भी है। मानवीय एवं प्राकृतिक विविधताएँ होने पर भी उसमें अभिन्न एकसूत्रता है। विभिन्न दृष्टांतों द्वारा इस काव्य में भारत की भव्यता एवं दिव्यता का गान किया गया है।

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।
बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे, माला में एक हैं।
कोयल की कूक न्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी
जाके मिल गई सागर में हुई सब एक हैं।
धर्म हैं अनेक जिनका, सार वही है,
पंथ हैं निराले, सबकी मंजिल तो एक है।

शब्दार्थ

कूक कोयल की आवाज़ **पपीहा** एक पक्षी का नाम **टेर** पपीहे की पुकार **तराना** गीत **पंथ** रास्ता **निराला** अनूठा **मंज़िल** ध्येय

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) हमारे देश की क्या विशेषता है ?

(2) सभी नदियाँ कब एक होती हैं ?

(3) सभी धर्मों का सार क्या है ?

2. (अ) शब्द पँखुड़ियों को उचित क्रम में रखकर वाक्य बनाइए :

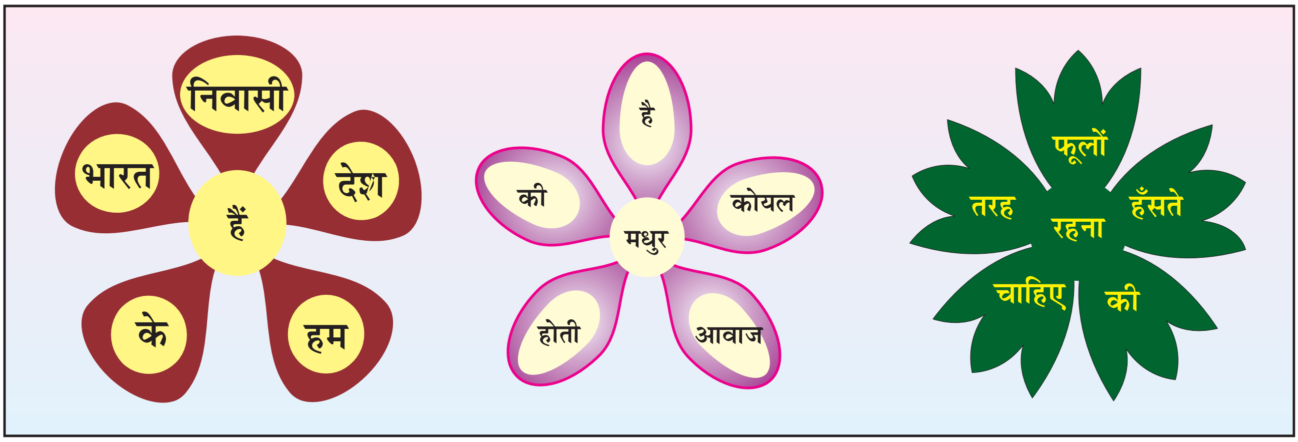

(ब) गोले में से शब्द चुनकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

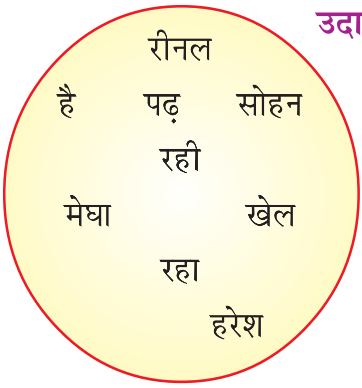

उदाहरण : (1) सोहन पढ़ रहा है।

3. काव्य-पंक्तियों का भावार्थ समझाइए :

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,

रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

4. ''औरत'' और ''लड़की'' के स्थान पर क्रमश: 'आदमी' और 'लड़का' रखकर परिच्छेद फिर से लिखिए :

एक मोटी औरत जा रही थी। पीछे-पीछे एक लड़की चल रही थी। लड़की छोटी और पतली थी। औरत को पता चला तो घूरकर बोली, - ''ए लड़की ! मेरे पीछे-पीछे क्यों चल रही है ?'' लड़की भोलेपन से बोली, ''मैं तो केवल छाँव के नीचे चल रही थी।''

U9M4S6

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए : :

(1) हिन्दवासियों में कैसी विविधताएँ है ?

(2) माला में कौन-कौन से फूल एक रूप हुए है ?

(3) इस कविता में किन नदियों का उल्लेख है ?

(4) नदियों से हमें क्या संदेश मिलता है ?

2. कोष्ठक में जो शब्द समानार्थी नहीं हैं उन पर घेरा ◯ कीजिए और समानार्थी शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए।

1	2	3	4
पंथ	कुसुम	आम	जन
राह	पुष्प	अनूठा	मनुष्य
पैर	काँटा	निराला	मानव
रास्ता	फूल	अनोखा	स्त्री

भाषा-सज्जता

प्रियंका : **मीना**, आज **तू** चुपचाप क्यों बैठी है ? मंदिर नहीं आना ?

मीना : नहीं **मेरा** मन नहीं लगता ।

प्रियंका : अरे हाँ, आजकल **तुम** बहुत खेल रही हो न ?

मीना : **मैं** क्रिकेटर बनना चाहती हूँ, पर **मुझे** खेलना रास नहीं आया।

प्रियंका : क्यों ?

मीना : कल **मैं** मुहल्ले में खेल रही थी तब गेंद ने सीमा मौसी के घर की खिड़की का काँच तोड़ दिया। **उन्होंने** माँ से शिकायत कर दी ।

प्रियंका : ओह ! अब समझी तेरी उदासी का राज़। खेलते समय दूसरों का भी ख्याल रखना चाहिए।

मीना : **आप** की बात बिलकुल सच्ची है। अब **मैं** ध्यान रखूँगी।

❋ **अब आप बताइए :**

1. उपर्युक्त संवाद में से व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए :

(1) ____________ (2) ____________ (3) ____________

2. इन व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया गया है, उनकी सूची बनाइए :

(1) 'प्रियंका' के लिए → ____________

(2) 'मीना' के लिए → ____________

(3) 'सीमा मौसी' के लिए → ____________

3. नीचे दी गई परिभाषा को पूर्ण कीजिए :

→ जो शब्द ____________ के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें '**सर्वनाम**' कहते हैं।

4. वाक्यों को पढ़िए और ''बोलनेवाले'', ''सुननेवाले'' और ''अन्य व्यक्ति'' को सूचित करनेवाले जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया गया है, उन्हें अलग छाँटकर ( ) में लिखिए :

(1) मुझे बल्लेबाजी में मज़ा आता है। ( )

(2) हम मैच जीत गए। ( )

(3) तुम अच्छे क्षेत्र-रक्षक हो। ( )

(4) तुम्हारी गेंदबाजी का जवाब नहीं। ( )

(5) वह कैप्टन है। ( )

(6) उसने एक लम्बा छक्का लगाया। ( )

5. विधानों को पढ़िए और 'खुद के लिए' प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को छाँटकर ⬭ में लिखिए :

(1) अब राजीव स्वयं बल्लेबाजी करने आया। ____________

(2) मैं अपने आप चला जाऊँगा। ____________

इतना जानिए

पुरुषवाचक सर्वनाम : जब हम बातचीत करते हैं तो कभी अपने बारे में, कभी श्रोता के बारे में तो कभी तीसरे व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। अत: बातचीत करते समय हम तीन प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं।

उत्तम पुरुष : मैं, हम (मुझे, हमें...) आदि।

मध्यम पुरुष : तू, तुम, आप (तुझे, तुम्हें...) आदि।

अन्य पुरुष : वह, वे (उसे, उन्हें,...) आदि।

निजवाचक सर्वनाम : कुछ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग **स्वयं** के लिए किया जाता है तथा जिनसे **निजत्व** या **अपनेपन** का बोध होता है, उन्हें 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं।

जैसे –
- मैं **स्वयं** चला जाऊँगा।
- वह **आप** ही चला गया।
- मैं **अपने आप** पढ़ लूँगा।
- वे **खुद** चले गए।

6 डॉ. विक्रम साराभाई

B4M1I1

हमारे जीवन को सुविधापूर्ण बनाने में वैज्ञानिकों का प्रमुख योगदान रहा है। प्रस्तुत इकाई हमें विक्रम साराभाई जैसे अद्‌भुत व्यक्तित्व से परिचित कराती है। जिन्होंने विज्ञान प्रौद्योगिकी, शिक्षा, उद्योग, वाणिज्य, व्यवसाय, प्रबंध आदि अनेक क्षेत्रों में देश की प्रगति के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उनके जीवन की घटनाओं से प्रेरित होकर अवलोकन, परीक्षण व परिश्रम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर हम भी महान वैज्ञानिक बन सकते हैं और मानवजाति की अनुपम सेवा कर सकते हैं।

एक ऐसे महान वैज्ञानिक थे, जब वे मात्र दो वर्ष के थे, तब गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक बड़ा होकर बहुत यशस्वी बनेगा और उस बालक ने उनकी भविष्यवाणी अपने कर्मों से सच साबित कर डाली। क्या आप जानते हैं वे कौन थे? वे थे हमारे महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई।

डॉ. विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त, सन् 1919 को अहमदाबाद में हुआ था। उनका परिवार एक प्रतिष्ठित उद्योगपति परिवार था। पिता का नाम अम्बालाल तथा माता का नाम सरलादेवी था। विक्रम साराभाई आठ भाई–बहन थे।

बाल्यकाल से प्रतिभावान विक्रम साराभाई के बचपन का यह प्रसंग उनके सफलता हासिल करने के बुलंद इरादे को दर्शाता है। जब वह 5-6 साल के थे, तो अपने परिवार के साथ शिमला गए। शिमला में उनके पिता श्री अम्बालाल के नाम ढेरों चिट्ठियाँ आती थीं। यह देखकर बालक विक्रम के मन में भी इच्छा हुई कि उनके नाम भी खूब सारे पत्र आएँ।

इसलिए कई लिफाफों पर अपना नाम तथा पता लिखा और डाकघर में डाल दिए। फिर क्या था, उनके नाम पर ढेरों चिट्ठियाँ आने लगीं। पिता ने देखा, तो उनके मन में बालक विक्रम के इस काम के पीछे के उद्देश्य को जानने की इच्छा हुई। असलियत मालूम होने पर उन्हें हँसी आई, लेकिन सफलता पाने की इच्छा जानकर अच्छा भी लगा। जब वह आठ साल के थे, तो साइकिल पर विभिन्न कलाबाजियाँ करते और लोगों को अचंभित कर देते। उन्हें साहसिक कारनामे प्रिय थे। गणित तथा भौतिकी के प्रति उनकी गहरी दिलचस्पी थी।

उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा सन् 1934 में पास की। सन् 1934-37 में गुजरात कॉलेज, अहमदाबाद से इंटर की पढ़ाई की। सन् 1937 में इग्लैंड चले गए। सन् 1940 में कैम्ब्रिज से गणित व भौतिकी में बी.एस.सी. की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। तत्पश्चात द्वितीय विश्व युद्ध के शुरू होते ही विक्रम साराभाई भारत लौट आए। भारत में उन्हेंने सर सी.वी. रामन तथा डॉ. होमी भाभा का सांनिध्य मिला। वहाँ राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन से बड़े प्रभावित हुए। सन् 1942 में वह मृणालिनी स्वामीनाथन के साथ विवाह सूत्र में बँधे।

उन्होंने अंतरिक्ष की गहराइयों से आने वाले रहस्यमयी कॉस्मिक किरणों पर अनुसंधान करके केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से सन् 1947 में पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। ब्रह्मांड तथा सौरमंडल के कई जटिल प्रश्नों का प्रायोगिक हल निकालने का श्रेय डॉ. विक्रम साराभाई को प्राप्त है। यह उन्हीं का सुझाव था कि कोस्मिक किरणों पर प्रयोग के लिए हिमालय की ऊँची चोटियाँ सर्वाधिक उपयुक्त व अनुकूल होगी। इसलिए भारत सरकार ने गुलमर्ग में वैज्ञानिक उपकरणों से लैस एक प्रयोगशाला स्थापित की। डॉ. विक्रम साराभाई के निजी प्रयासों से सन् 1947 में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद में स्थापित हुई। जिससे वह आजन्म संबद्ध रहे। साथ ही उन्होंने देश में वस्त्र उद्योग की तकनिकी समस्याओं के हल निकालने के उद्देश्य से अहमदाबाद में ही टेक्स्टाइल इंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसियेशन की आधारशिला रखी। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, डॉ. विक्रम साराभाई परमाणु शक्ति, अंतरिक्ष विकिरण, सूर्य, ग्रह, तारा, प्लाजमा भौतिकी और खगोल पर वह कार्य करते रहे।

सन् 1961 में वे परमाणु ऊर्जा आयोग के सदस्य बनाए गए। डॉ. भाभा की मृत्यु के पश्चात् परमाणु ऊर्जा संस्थानों का भार युवा वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के कंधों पर ही आ गया, उन्होंने भारतीय अनुसंधान केन्द्र का गठन किया। डॉ. विक्रम साराभाई इसके पहले अध्यक्ष बने। यह उनकी अगवाई एवं अथक परिश्रम का ही परिणाम है कि भारत में दूरसंचार, दूरदर्शन व मौसम विज्ञान के लिए प्रक्षेपित अनेक उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

डॉ. विक्रम साराभाई ने अपना संपूर्ण जीवन भारत तथा विज्ञान के समग्र विकास के लिए समर्पित कर दिया। भारत के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए।

सन् 1962 में उन्हें डॉ. शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, सन् 1966 में पद्मभूषण तथा सन् 1972 में मरणोत्तर पद्मविभूषण जैसे अलंकरणों से नवाजा गया। नि:शस्त्रीकरण से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण अंतराष्ट्रीय संस्थाओं में भी भारत के प्रतिनिधि रहे।

डॉ. विक्रम साराभाई सन् 1966 में 'इन्टरनेशनल काउन्सिल ऑफ सायन्टिफिक यूनियन' के सदस्य रहे। सन् 1968 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युनेस्को के विज्ञान विभाग के अध्यक्ष बने। उन्हें 'इन्डियन जियोलोजिकल यूनियन' का प्रमुख बनाया गया।

डॉ. विक्रम साराभाई सन् 1970 में वियेना शांति अंतराष्ट्रीय अणु मंच के 14 वीं परिषद के प्रमुख बने। सन् 1971 में संयुक्त राष्ट्र संघ परिषद के उपाध्यक्ष व बाद में विज्ञान विभाग के अध्यक्ष बनाए गए।

वह केवल उच्च कोटि के वैज्ञानिक ही नहीं थे, बल्कि व्यस्तताओं के बावजूद कला, शिक्षा व समाज के लिए पर्याप्त समय निकाल लेते थे। उनके ही प्रयासों से अहमदाबाद में लोकविज्ञान केन्द्र एवं नेहरू विकास संस्थान की स्थापना हुई, यहाँ वह जन सामान्य की विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने के लिए कार्य करते रहे।

वह 21 दिसंबर सन् 1971 की काली तारीख थी, डॉ. विक्रम साराभाई को त्रिवेन्द्रम के लांचिंग स्टेशन थुम्बा में कार्य निरीक्षण के लिए भेजा गया था। वहाँ वह एक होटल में ठहरे हुए थे। यहीं हृदय की गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई। उनके निधन से विज्ञान में नित-नए आयामों को जोड़नेवाला एक जीवन चक्र सदा के लिए रुक गया। ऐसी महान प्रतिभा को शत्-शत् नमन।

शब्दार्थ

इरादा विचार, संकल्प **लिफाफा** कागज़ की वह चौकोर थैली जिसके भीतर चिट्ठी या कागज़-पत्र रखकर भेजा जाता है। **ढेरों** बहुत, ज्यादा, अधिक **लैस** सुसज्जित **अनुसंधान** आविष्कार, खोज, संशोधन **उपाधि** – प्रतिष्ठा सूचक पद, खिताब

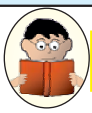

अभ्यास

1. **निम्नलिखित प्रश्नों की मौखिक चर्चा कीजिए :**

   (1) विक्रम साराभाई ने अपने नाम खुद क्यों चिट्ठियाँ लिखी होंगी?

   (2) विक्रम साराभाई साइकिल पर विभिन्न कलाबाजियाँ करते थे। इस तरह आपको क्या करना पसंद है ?

2. **इस पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए विक्रम साराभाई के बचपन की घटना अपने शब्दों में लिखिए।**
3. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शिक्षक छात्र से पूछेंगे और छात्र शब्दकोश से अर्थ ढूँढ़कर उत्तर देने के लिए अपना हाथ खड़ा करेंगे :**

   गाथा, प्रतीक, विक्रम,

   तत्पश्चात, कैंब्रिज, भौतिक, अंतरिक्ष, प्रयोगशाला,

   इंटरनेशनल, मृत्यु, ऊर्जा, युवा, उत्कृष्ट, स्मारक, पुरस्कार, हवाई

4. **'शब्दार्थ' में निर्देशित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**
5. **दूरदर्शन (टी. वी.) – देखना लाभदायी है या हानिकारक ? क्यों ? कारण सहित तर्क दीजिए।**

P6W6L6

स्वाध्याय

1. **कोष्ठक में दिए शब्दों को उदाहरण के अनुसार बल्ले पर इस तरह रखो जिससे अर्थपूर्ण वाक्य बने।**
   (कलाबाजियाँ, बालक, है, लोकविज्ञान, होकर, यशस्वी, अनुसंधान, करते, किया, वो, दिया, योगदान, में गठन, बड़ा, के पर, विकास, अहमदाबाद, भारतीय, की, केन्द्र, का)

   उदाहरण :

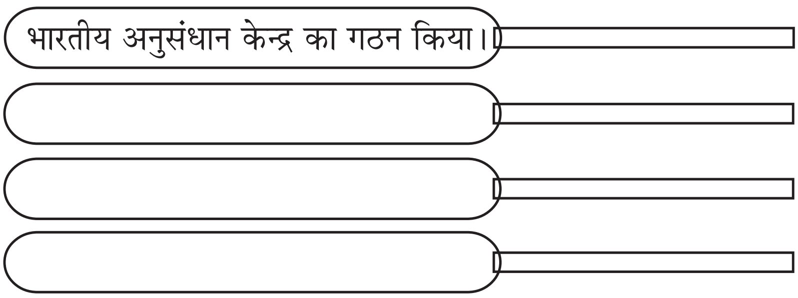

2. **निम्नलिखित एकवचन शब्दों का बहुवचन बनाकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।**
   लड़का, किताब, नदी, नारी, माली
   जैसे : लड़का-लड़के

वाक्य प्रयोग : लड़का मैदान में खेल रहा है।

लड़के मैदान में खेल रहे हैं।

3. निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

वह केवल उच्च कोटि के वैज्ञानिक ही नहीं थे, बल्कि व्यस्तताओं के बावजूद कला, शिक्षा व समाज के लिए पर्याप्त समय निकाल लेते थे। उनके ही प्रयासों से अहमदाबाद में लोकविज्ञान केन्द्र एवं नेहरू विकास संस्थान की स्थापना हुई, यहाँ वह जन सामान्य की विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने के लिए कार्य करते रहे।

भाषा-सज्जता

1. पढ़िए और समझिए :

(1) यह किताब कोकिला की है।

(2) लड़का गेंद से खेल रहा है।

(3) दरवाजे पर कोई है।

(4) प्रीति के पास कुछ तो है।

→ उपर्युक्त वाक्यों के आधार पर प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) किताब किसकी है ?
(2) कौन खेल रहा है ?
(3) दरवाजे पर कौन है ?
(4) प्रीति के पास क्या है ?

उपर्युक्त वाक्य 1 और 2 में आप व्यक्ति या वस्तु का नाम बता सकते हैं, लेकिन 3 और 4 में आप निश्चित व्यक्ति या वस्तु का नाम नहीं बता सकते क्योंकि–
दरवाजे पर कोई भी हो सकता है।
प्रीति के पास कुछ भी हो सकता है।

निश्चयवाचक सर्वनाम

पहले दो वाक्यों में निश्चितता है। अत: 'जिस सर्वनाम के द्वारा किसी पास या दूर की वस्तु या व्यक्ति का निश्चित रूप से बोध करवाया जाए, उसे 'निश्यवाचक सर्वनाम' कहते हैं।' – **जैसे-यह, वह**

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

तीसरे और चौथे वाक्य में अनिश्चितता है। अत: किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चय न हो तब '**अनिश्चयवाचक सर्वनाम**' होता है।' – **जैसे-कोई, कुछ**

योग्यता-विस्तार

- डॉ. विक्रम साराभाई की स्मृति में विज्ञान के विविध क्षेत्रों जैसे – रॉकेट, उपग्रह, संचार, मौसम विज्ञान, खगोल विज्ञान, भौतिकी, सुदूर संवेदन, अंतरिक्ष, अंतरिक्ष उपयोग, आयुर्विज्ञान, हवाई विज्ञान, भू-गणित तथा अंतरिक्ष अभियंत्रण में विशिष्ट अनुसंधानकर्ता, वैज्ञानिकों और लेखकों को 'डॉ. विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार प्रदान' किए जाते हैं।

पढ़िए और समझिए

- युनेस्को [UNESCO] – युनाइटेड नेशन्स एज्युकेशनल साइन्टिफिक एन्ड कल्चरल ऑर्गेनाईजेशन
- कॉस्मिक किरणें [Cosmic Rays]
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला [Physical Research Laboratory]
- अहमदाबाद टेक्सटाइल इन्डस्ट्रीज रिसर्च एसोशिएसन [ATIRA - Ahmedabad Textiles Industrial Research Association]
- परमाणु उर्जा आयोग [Atomic Energy Commision]
- भारतीय अवकाशीय अनुसंधान केन्द्र [ISRO - Indian Space Research Organization]
- उपग्रह [Satellite]

विविध प्रकार के राष्ट्रीय खिताब

पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, भारतरत्न, अर्जुन पुरस्कार

- 'विज्ञान दर्शन', 'सफारी' एवं 'बाल भारती' जैसी पत्रिकाएँ पढ़िए और विशेष बातें अपने दोस्तों से कहिए।
- जगदीशचन्द्र बोस,
- होमी जहाँगीर भाभा
- सर सी. वी. रामन
- अल्बर्ट आइन्स्टाइन
- सर आइजेक न्यूटन
- साम पित्रोडा
- शांति स्वरूप भटनागर आदि के बारे में जानकारी पुस्तकालय तथा इन्टरनेट पर से प्राप्त करें।

B6Q3W7

7 ढूँढ़ते रह जाओगे

पहेलियाँ मनोरंजन के साथ दिमागी कसरत भी कराती हैं। साथ ही कल्पना व तर्कशक्ति को भी बढ़ावा देती हैं। पहेलियाँ रोचक, मजेदार होने के साथ भाषा-विकास में भी सहयोगी हैं। पहेलियाँ हमें शब्द, वाक्य के विशिष्ट प्रयोग से भी अवगत कराती हैं। ऐसी ही कुछ पहेलियाँ यहाँ पर दी गई हैं।

(1) सोने की वह चीज़ है,
पर बेचे नहीं सुनार।
मोल तो ज्यादा है नहीं,
बहुत है उसका भार ।

(2) एक नगर में ढेरों चोर,
चोरों का मुँह काला।
पूँछ पकड़कर खींच दो,
झट हो जाए उजाला।

(3) पानी मेरा बाप,
पानी ही मेरा बेटा।
मुँह ऊपर करके देखो,
मैं सबके ऊपर लेटा।

(4) खुली रात में मैं पैदा होती,
हरी घास पर सोती हूँ।
मोती जैसी मूरत मेरी,
बादल की मैं पोती हूँ।

(5) इधर की बात उधर मैं करता,
उधर की इधर मैं बताता।
चुगलखोर पर कहे ना कोई,
सब के काम में आता।

(6) सोने को पलंग नहीं,
नहीं महल बनाए।
एक रुपया पास नहीं,
फिर भी राजा कहलाऊँ।

(7) तीन अक्षर का मेरा नाम,
पानी देना मेरा काम,
प्रथम कटे तो दल कहलाऊँ,
बीच कटे तो 'बाल' कहलाऊँ।

शब्दार्थ

चीज़ वस्तु **मोल** कीमत, मूल्य **ढेरों** बहुत, अधिक **उजाला** प्रकाश **मूरत** मूर्ति, तसवीर **बादल** मेघ, घन **पोती** बेटे की लड़की **चुगलखोर** पीठ पीछे बुराई करनेवाला

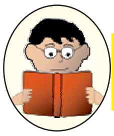

अभ्यास

1. पढ़िए और समझिए :

(1) सेजल ने काम कर दिया।

(2) कर भुगतान करना हमारा कर्तव्य है।

(3) विजय ने कर जोड़कर माफी माँगी।

2. उपर्युक्त वाक्यों में 'कर' शब्द के विभिन्न प्रयोग हुए हैं। उसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों के अलग-अलग वाक्य बनाइए :

(1) बस (2) सोना (3) आम (4) उत्तर (5) पूरी

3. चित्र और शब्द की मदद से पहेली पूर्ण कीजिए :

(1) भारत

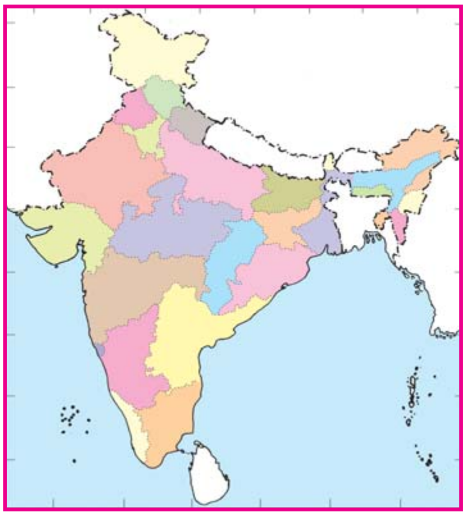

__________ अक्षर का नाम प्यारा,
दुनिया में है __________ न्यारा।
अंत कटे तो '__________' हो जाऊँ
__________ तो 'भात' हो जाऊँ।

(2) सूरज

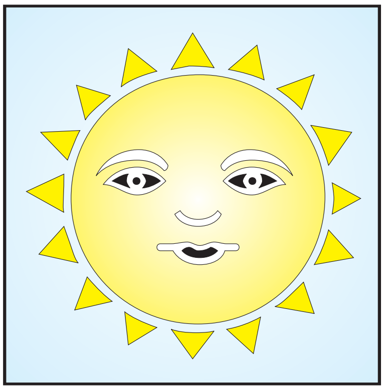

________ अक्षर ________ नाम मेरा,
उजाला देना काम मेरा।
पहला कटे तो '________' कहलाऊँ,
अंत कहे तो '________' बन जाऊँ।

✳ करके दिखाइए :

4. नीचे दिए गए शब्दों पर आधारित पहेली बनाइए :

(1) कमल (2) समय

अंदाज अपना-अपना

5. क्या आप मानते हैं, कि 'फोन' चुगलखोरी करता है ? कैसे ?

A5E6N1

स्वाध्याय

✳ करके दिखाओ :

1. पहेली को पूर्ण कीजिए।

(1) काजल

________ अक्षर से बुलाते मुझे,
________ में हैं बसाते मुझे।
अंत कटे तो '________' कहाऊँ,
________ कटे तो 'काल' बन जाऊँ।

2. पहेलियाँ बनाइए :

(1) दीपक (2) पहेली

3. बहुवचन में परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) <u>लड़की</u> खेल रही है। - लड़कियाँ खेल रही हैं।
(2) <u>लड़का</u> पानी पीता है। - ________
(3) <u>किताब</u> सुन्दर है। - ________
(4) <u>वह</u> जाता है। - ________
(5) <u>फूल</u> खिला है। - ________

इतना जानिए

पढ़िए और समझिए :

दर्द के नाम

हैजा – કૉલેરા

पीलिया – કમળો

आमातिसार – મરડો

खसरा – ખસ

बुखार – તાવ

आन्त्रज्वर – ટાઈફોઈડ, મુદતિયો તાવ

चेचक – બળિયા

दाद – દાદર

दस्त, अतिसार – ઝાડા

खुजली – ખંજવાળ

खांसी – કફ, ઉધરસ

कनपेड़ा – ગાલપચોળિયું

क़ै – ઉલટી

ऐंठन – ચૂંક

दमा – દમ

बदहजमी – અપચો

योग्यता-विस्तार

☞ **और एक पहेली ... मुझे पहचानिए ...!**

- मैं पाँच अक्षर का गाँव / शहर का नाम हूँ।
- मैं एक देशभक्त का वतन हूँ।
- मेरा पहला, दूसरा और तीसरा वर्ण मिलकर जो शब्द बनता है, उसका अर्थ 'भाग्य' होता है।
- पहला और तीसरा वर्ण मिलकर 'ज्यादा' का विरुद्धार्थी शब्द बनता है।
- पाँचवाँ और चौथा वर्ण मिलकर एक संख्या बनती है।
- पहला और दूसरा वर्ण मिलकर 'हाथ', एक क्रियापद, 'महसूल', 'छल', 'किरण', 'ओला' जैसे अनेक अर्थवाला शब्द बनता है।
- पहला, तीसरा और दूसरा वर्ण मिले तो शरीर का एक अंग होता है।

☞ **अब तो आप जान चुके होंगे ! तो बताओ मेरा नाम !**

❉ उपर्युक्त पहेली के आधार पर अब 'पोरबंदर' शब्द के लिए आप स्वयं एक पहेली की रचना कीजिए।

❉ पहेलियों का संकलन बनाएँ और साथियों से पहेलियाँ पूछें।

❉ **पहेलियों का उत्तर :** (1) चारपाई, (2) माचिस, (3) बादल, (4) ओस, (5) टेलीफोन, (6) शेर, (7) बादल

- योग्यता-विस्तार में दी गई–और एक पहेली का उत्तर 'करमसद'

T5A8M5

8 दोहा अष्टक

-कबीर, तुलसीदास, रहीम

दोहे हिन्दी भाषा साहित्य की अनमोल निधि हैं। दोहे व्यावहारिक दृष्टांतों के माध्यम से सरल, सहज रूप में जीवन, लोक व्यवहार, गुण, स्वभाव, नीति-रीति आदि से परिचित कराते हैं।

प्रस्तुत इकाई में कबीर, तुलसीदास और रहीम के चुने गए ऐसे ही दोहे संकलित हैं।

- **कबीर** : ये 15वीं शताब्दी के कवि हैं, ये बड़े संत थे। इन्होंने हिन्दू और मुसलमानों को उनकी गलतियों के लिए फटकारा है और दोनों को हिल-मिलकर रहने का उपदेश दिया है।
- **तुलसीदास** : ये 16वीं शताब्दी के प्रसिद्ध रामभक्त कवि हैं। इन्होंने 'रामचरित मानस' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ लिखा है।
- **रहीम** : इनका पूरा नाम है, अब्दुर्रहीम खानखाना। ये बड़े उदार और अनुभवी थे। हिन्दी में इन्होंने बहुत ही सुन्दर दोहे लिखे हैं।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥ 1 ॥

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देइ उड़ाय ॥ 2 ॥

माखी गुड़ में गड़ि रहे, पंख रह्यो लिपटाय।
हाथ मले और सिर धुने, लालच बुरी बलाय ॥ 3 ॥

– कबीर

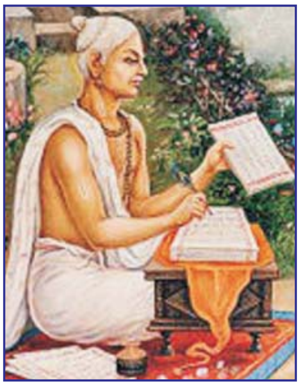

तुलसी इस संसार में, भाँति-भाँति के लोग।
सबसे हिल-मिल चालिए, नदी-नाव संजोग ॥ 4 ॥

तुलसी हाय गरीब की, कबहूँ न खाली जाय।
मुए ढोर के चाम से, लौह भस्म हो जाय ॥ 5 ॥

– तुलसीदास

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ पड़ जाय ॥ 6 ॥

तरुवर फल नहि खात हैं, सरवर पियहिं न पानि।
कहि 'रहीम' परकाज हित, संपत्ति संचहि सुजानि ॥ 7 ॥

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि ॥ 8 ॥

- रहीम

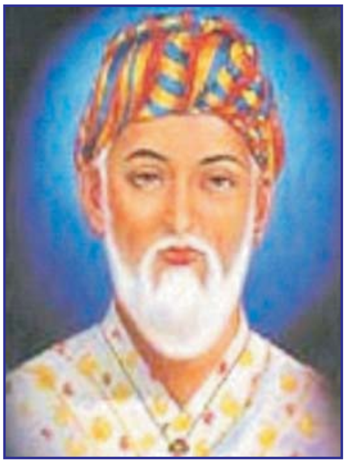

शब्दार्थ

पंथी मुसाफिर, यात्री, राही **सूप** अनाज फटकने का छाज **सार** निष्कर्ष, सारांश **थोथा** निकम्मा, कचरा **बलाई** आपत्ति, आफत, विपत्ति **भाँति-भाँति** तरह-तरह, भिन्न-भिन्न **हाय** बद्दुआ **भस्म** राख **चटकाय** शीघ्र, तुरंत, फौरन **तरुवर** पेड़ **सरवर** सरोवर **संचहि** संग्रह करना **सुजानि** चतुर **बड़ेन** बड़ा **तलवारि** तलवार

मुहावरे

- **हिल-मिल चलना** - सहयोग करना **लौहा भस्म हो जाना** - कठिन चीज का भी नाश होना

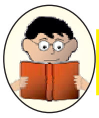

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) बड़े लोगों की संकुचित मनोस्थिति व्यक्त करने के लिए खजूर के पेड़ का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(2) साधु पुरुष कैसा होना चाहिए ? क्यों ?

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

(4) आप गरीब लोगों की मदद कैसे कर सकते हैं ?

(5) सज्जन लोग अपनी संपत्ति का उपयोग कैसे करते हैं ?

2. नीचे दिए गए शब्दों में विलोम शब्दों के सही जोड़े बनाइए और उदाहरण के अनुसार वाक्य में प्रयोग कीजिए :

आदर, स्वकाज, बुरा, परकाज, प्रेम, नजदीक, नफ़रत, मृत, अच्छा, अनादर, जीवित, छोटा, दूर, बड़ा, असत्य, सत्य

वाक्य प्रयोग : (1) सत्य - गांधीजी सत्य बोलते थे। (2) असत्य - हमें असत्य नहीं बोलना चाहिए।

3. अंदाज अपना-अपना

कभी-कभी कुछ इलाकों में बारिश बिलकुल भी नहीं होती। नदी-नाले, तालाब सूख जाते हैं। फसलों के लिए पानी नहीं मिलता। खेत सूख जाते हैं। पशु-पक्षी, जानवर और लोग भूखों मरने लगते हैं। ऐसे समय में वहाँ रहनेवाले लोगों को मदद की जरूरत होती है। तुम भी लोगों को मदद कर सकते हो। सोचकर बताओ तुम अकाल में परेशान लोगों की मदद कैसे करोगे ?

4. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(1) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय॥

(2) तुलसी हाय गरीब की, कबहूँ न खाली जाय।
मुए ढोर के चाम से, लौह भस्म हो जाय॥

(3) रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि॥

स्वाध्याय

K3E3A6

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) साधु कैसा होना चाहिए ?

(2) कबीर जी लालच को क्यों बुरी चीज कहते हैं ?

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

(4) 'गरीब की हाय' के लिए कौन-सा उदाहरण दिया गया है ?

(5) रहीम प्रेम का धागा तोड़ने के लिए क्यों मना करते हैं ?

भाषा-सज्जता

नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए :

(1) वह कौन जा रहा है ?

(2) पहला इनाम किसे मिला ?

(3) आप क्या लाए हैं ?

(4) किसने कहा आज छुट्टी है ?

उपर्युक्त वाक्यों में 'कौन', 'किसे', 'क्या', 'किसने' जैसे शब्दों से प्रश्न पूछे गए हैं।

परिभाषा : संज्ञा के विषय में जिन शब्दों से प्रश्न किया जाए वे '**प्रश्नवाचक सर्वनाम**' कहलाते हैं।
जैसे : कौन, किस, क्या, किसने.....

नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए :

(1) जैसा करोगे वैसा भरोगे।

(2) जो मन लगाकर पढ़ेगा, वह अवश्य उत्तीर्ण होगा।

(3) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

उपर्युक्त वाक्यों में जैसा-वैसा, जो-वह, जिसकी-उसकी परस्पर संबंधित शब्द हैं।

परिभाषा : वाक्य में संबंध बतानेवाले सर्वनाम को **'संबंधवाचक सर्वनाम'** कहते हैं।

जैसे : जैसा-वैसा, जो-वह, जिसकी-उसकी.....

1. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों को 'प्रश्नवाचक' और 'संबंधवाचक' सर्वनाम में वर्गीकृत कीजिए :

(1) वह कौन आ रहा है ?

(2) जैसी करनी वैसी भरनी।

(3) जो चलता रहेगा, वह मंज़िल तक पहुँचेगा।

(4) आज का इनाम किसे मिलेगा ?

(5) जिसकी मेहनत उसकी सफलता।

(6) आप क्या ढूँढ़ रहे हैं ?

(7) किसने कहा आज मेहमान आएँगे ?

प्रश्नवाचक: ______________________________

संबंधवाचक: ______________________________

*

पुनरावर्तन 2

1. शब्दकोश में से शब्द के अर्थ खोजिए :

मंज़िल, चाम, निराला, तरुवर, इरादा, तराना, भस्म, सूप, चटकाय, उपाधि

2. (अ) प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) सभी धर्मों का सार क्या है ?

(2) साधु कैसा होना चाहिए ?

(3) विक्रम साराभाई ने विज्ञान के अलावा किन-किन क्षेत्रों में योगदान दिया ?

(4) गरीब की हाय के लिए कौन-सा उदाहरण दिया गया है ?

(ब) प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) हमारे देश की विशेषता क्या है ?

(2) तुलसीदास सबसे हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

(3) विक्रम साराभाई के प्रयासों से अहमदाबाद में कौन-कौन सी संस्थाएँ प्रारंभ हुईं ?

(4) माला में कौन-कौन से फूल एक रूप हुए हैं ?

3. परिच्छेद में योग्य विराम चिह्न लगाइए :

इस पर जीर्णधन बोला अरे सत्यवादी सेठ यदि बाज तेरे लड़के को उठाकर नहीं ले जा सकता है तो मेरी हजार भार की तुला को चूहे कैसे खा सकते हैं अगर तू अपने बेटे को चाहता है तो पहले मुझे मेरा तराजू वापस कर दे

4. शब्दों को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

(1) नदी हम बैठे के थे किनारे।

(2) ऊपर हैं के पेड़ बंदर कितने ?

(3) वणिक रहता एक था किसी नगर में।

(4) दो इनका कर हुआ माल-सामान लूटा इन्हें वापस।

(5) दुनिया करती थी सारी इज्जत उनकी।

5. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग परिवर्तन करके विधान फिर से लिखिए :

(1) आज शिक्षक निलेश से कुछ बात कर रहे थे।

(2) वह लेखक बनना चाहता है।

(3) नौकर आज बहुत ही देर से आया।

(4) नये डॉक्टर बहुत अच्छे हैं।

(5) लड़के क्रिकेट खेल रहे हैं।

मौखिक कसौटी

1. शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर पूछेंगे :

(1) चिड़ियाँ कब खुशी के गीत गाती हैं ?
(2) सुबह होते ही क्या-क्या होता है ?
(3) कुत्ते को वफादार प्राणी क्यों कहा गया है ?
(4) सभी नदियाँ कब एक होती हैं ?
(5) साधु पुरुष कैसा होना चाहिए ? क्यों ?

2. शिक्षक छात्रों को निम्नलिखित कविताओं में से किसी एक कविता का गान करवाएँगे :

(1) तब याद तुम्हारी आती है। (2) हिन्द देश के निवासी

3. शिक्षक छात्रों को नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द कोष्ठक में से ढूँढ़कर उदाहरण के अनुसार वाक्य प्रयोग करवाएँगे :

(1) जल (2) सूरज (3) सुबह (4) खुशबू (5) खुशी (6) वन

प्रा	ऊ	ग	म	नी	आ
सु	तः	ज	पा	र	न
न	गं	का	ग	वि	द
		ध	ल	ल	

उदाहरण : जल – पानी(वाक्य : नर्मदा नदी में पानी का बहाव रहता है।)

4. **निम्नलिखित शब्दपत्तों को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :**

(1)	राजधानी	की	है।	गुजरात	गांधीनगर				
(2)	सेवक	रविशंकर	हमारे	महाराज	मूक	थे।			
(3)	राष्ट्रीय	है।	पक्षी	और	प्राणी	हमारा	मोर	बाघ	राष्ट्रीय
(4)	2 अक्टूबर	गांधीजी का	1869 में	था।	जन्म	हुआ	पोरबंदर	में	

5. **अमित को बिजली का करंट लग जाने पर उसे अस्पताल में ले जाया गया। ऐसी घटना दुबारा न घटे इसके लिए आप अपने सुझाव दीजिए।**

क्रियात्मक कसौटी

1. **निम्नलिखित शब्द कार्ड के शब्दों के लिंग पहचान कर पुल्लिंग-स्त्रीलिंग शब्दों की जोड़ बनाइए :**

राजा	ग्वाला	सेठ	बनजारा
सेठानी	बनजारिन	ग्वालिन	रानी

2. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ शब्दकोश में से ढूँढ़कर बताइए।

ढोना	सूद	पंथ	ढेरों	मोल

3. श्यामपट्ट के कोष्ठक में दिए शब्दों को उचित क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

मोर	जीवन	भारत	अखबार
जल	पढ़ना	है	देश
अच्छी	बात	ही	राष्ट्रीय
क्रिकेट वर्ल्डकप	हमारे	2011	पक्षी
वर्ल्ड चेम्पियन	देश	का	बना

4. **निम्नलिखित शब्द-पत्तों को विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ में रखिए और वाक्य बनाइए :**

सुबह	पालतू	दिन	रात	शाम
अंत	दोषी	भलाई	बुरा	नियमित
जंगली	अच्छा	कठिन	प्रारंभ	सरल
बुराई	अनियमित	निर्दोष	ज्यादा	कम

5. **काव्यपंक्ति एवं भावार्थ आधारित पट्टियों की सही जोड़ मिलाकर पढ़िए :**

कलियाँ दरवाज़े खोलकर दुनिया पर मुसकाती है।	जब ठंडी ठंडी हवा कहीं से मस्ती ढोकर लाती है
छम-छम बूँदें गिरती हैं और बिजली चमकती है।	ठंडी हवा अपने साथ मस्ती लाती है।
कलियाँ दरवाजे खोल-खोल जब दुनिया पर मुसकाती हैं।	जब छम-छम बूँदे गिरती हैं, बिजली चम-चम कर जाती है।

लिखित कसौटी

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

(1) कौन-कौन सी नदियाँ सागर में मिलती हैं ?

(2) हरियाली कहाँ-कहाँ दिखाई देती है ?

(3) सेठ ने कुत्ते को क्यों मुक्त कर दिया ?

(4) माला में कौन-कौन से फूल एक रूप हैं ?

(5) साधु कैसा होना चाहिए ?

2 **निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए :**

(1) चिड़ियाँ कब खुशी के गीत गाती हैं

(2) जल ही जीवन है

(3) नर्मदा तापी साबरमती महिसागर आदि गुजरात की बड़ी नदियाँ हैं

(4) वाह कितना सुन्दर दृश्य है

(5) सेठ बोले कुत्ते भाई जाओ तुम अपने मालिक लाखा बनजारा के पास तुम मुक्त हो

3. नीचे दिए शब्द के आधार पर पहेली बनाइए :

कागज, जीवन

4. मोबाइल का उपयोग जीवन में 'लाभदायी' है या 'हानिकारक'? क्यों ? अपने विचार लिखिए।

5. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों को कोष्ठक में उचित स्थान पर रखिए :

(भारत, ईमानदारी, दूध, हिमालय, तेल, भीड़, नदी, पर्वत, नर्मदा, पेड़, बुराई, सेना, झुंड)

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	द्रव्यवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	समूहवाचक संज्ञा